राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

यह एक अद्भुत वर्ष रहा है: ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

रविवार, 11 दिसंबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्ष: 09 अंक: 351 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपनी एक्स पार्टी पर किया कमेंट

कहा: कांग्रेस अपना वजूद ढूंढने को मजबूर

इंदौर। गुजरात विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की रिकॉर्ड जीत के साथ कांग्रेस का सूपड़ा साफ होने पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस अपना वजूद खोजने पर मजबूर है। सिंधिया ने इंदौर में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान गुजरात विधानसभा चुनावों में भाजपा की रिकॉर्ड जीत का जिक्र करते हुए कहा, "आज कांग्रेस की हालत यह है कि वह अपना वजूद खोजने पर मजबूर है।" केंद्रीय मंत्री ने कहा

कि हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को जरूर बहुमत मिला है, लेकिन उसके और भाजपा के बीच मतों का अंतर बहुत कम रह गया है। सिंधिया ने दावा किया, "इससे पहले हिमाचल प्रदेश में जब भी सत्ता परिवर्तन हुआ, भाजपा और कांग्रेस के बीच मतों का अंतर छह से सात प्रतिशत के बीच होता था। लेकिन अब यह अंतर एक प्रतिशत से भी कम पर सिमटकर रह गया है।"

सिंधिया ने मध्य प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की सरकार बनने के कमलनाथ के दावे पर चुटकी ली। उन्होंने कहा, "कई लोगों को सपने देखने की आदत होती है। वे सपने देखते रहें, लेकिन मध्य प्रदेश में भाजपा की 'डबल इंजन' की सरकार काम कर रही है।" गौरतलब है कि सिंधिया की सरपरस्ती में कांग्रेस के 22 बागी विधायकों के विधानसभा सदस्यता से त्यागपत्र देकर भाजपा में शामिल होने के कारण कमलनाथ नीत कांग्रेस सरकार का 20 मार्च 2020 को पतन हो गया था। इसके बाद शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा 23 मार्च 2020 को सूबे की सत्ता में लौट आई थी।

मुसलमानों को अब कांग्रेस से इश्क छोड़ देना चाहिए

ओवैसी बोले: मोदी जानते हैं हिन्दुओं की दुखती नब्ज

हैदराबाद। एआईएमआईएम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राजनीतिक लड़ाई अब इस बारे में है कि पीएम मोदी से ष्बड़ा हिंदूष् कौन है। भाजपा इसलिए जीत रही है क्योंकि उन्हें अधिक हिंदू वोट मिल रहे हैं।

प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने गुजरात चुनाव में उनकी पार्टी के वोट काटने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि बीजेपी इसलिए जीत रही है क्योंकि उसे ज्यादा हिंदू वोट मिल रहे हैं। एक निजी चौनल के कार्यक्रम में बोलते हुए, असदुद्दीन ओवैसी ने कांग्रेस और आम ओवैसी ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा का स्पष्ट रूप से मुस्लिम समुदाय से कोई संबंध नहीं है। आप और कांग्रेस वही काम कर रहे हैं। एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि अब पूरी राजनीतिक लड़ाई इस बात में बदल गई है कि पीएम मोदी से बड़ी मलमल कौन है। तब भारतीय राष्ट्रवाद कहाँ जाएगा? ओवैसी ने कहा कि मुसलमानों को अब कांग्रेस से इशघ्क छोड़ देना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मोदी हिंदुओं की दुखती नब्ज को जानते हैं।

समान नागरिक संहिता पर ओवैसी

चार पत्नियां रखने को अप्राकृतिक बताने वाले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के बयान को भी ओवैसी ने निशाने पर लिया। नितिन गडकरी ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की थी। ओवैसी ने टिप्पणी पर भाजपा नेता पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं गडकरी को सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश की अनुमति देने की चुनौती देता हूं। आपकी संस्कृति, संस्कृति है, लेकिन मेरी संस्कृति संस्कृति नहीं है? असदुद्दीन ओवैसी ने तर्क दिया कि मुस्लिम पत्नियां वैध हैं। उन्हें रखरखाव और संपत्तियों में हिस्सा मिलता है। उन्होंने आगे भाजपा पर हमला किया और कहा कि वे ष्समान नागरिक संहिता के बारे में बात करते हैं लेकिन श्लव जिहादश पर लोगों पर हमला करते हैं।

उत्तर प्रदेश दुनिया के लिए सबसे शानदार आर्थिक गंतव्य : ओम बिरला

गोरखपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की मुक्तकंठ सराहना करते हुए कहा कि आज दुनिया के लिए उत्तर प्रदेश सबसे शानदार आर्थिक गंतव्य है। बड़े से बड़े देश भी आर्थिक गंतव्य चुनने के लिए उत्तर प्रदेश को प्राथमिकता दे रहे हैं। यह सब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विचार एवं दूरदृष्टि का परिणाम है। उत्तर प्रदेश में हर नौजवान को रोजगार मिलेगा, किसान समृद्ध होगा। यह प्रदेश देश ही नहीं दुनिया का सिरमौर बनेगा।

लोकसभा अध्यक्ष शनिवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के

90वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन पर आयोजित पारितोषिक वितरण कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश न केवल वैभवपूर्ण संस्कृति, अध्यात्म व कठोर परिश्रम के लिए ख्यातिलब्ध है बल्कि आज विकास की दृष्टि से दुनिया का सबसे तेजी से आगे बढ़ता हुआ राज्य है।

नए विचार रखने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में उत्तर प्रदेश में उद्योग, सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी आदि सभी क्षेत्रों में लंबा दृष्टिकोण बनाकर काम किया है। उत्तर प्रदेश कई देशों को मिलाकर भी बड़ा है। आज यहां शांति है मजबूत कानून व्यवस्था है, न्याय, समानता व समतामूलक समाज है। जहां शांति रहती है, वही प्रगति व खुशहाली भी आती है। यही कारण है कि कानून का राज और शांति होने के चलते दुनिया के लोग आर्थिक गंतव्य के लिए उत्तर प्रदेश को चुनते हैं। यहां के मुख्यमंत्री की सोच है कि यह प्रदेश आर्थिक दृष्टि से मजबूत होकर रोजगार देने वाला सबसे बड़ा प्रदेश भी बने। जबकि एक समय तक सर्वाधिक पलायन उत्तर प्रदेश से ही होता था। उत्तर प्रदेश के युवाओं को यहीं की धरती पर काम मिले और उनकी क्षमता का लाभ प्रदेश को मिले, उसी दृष्टिकोण से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आर्थिक तंत्र को आगे बढ़ा रहे हैं।

चक्रवाती तूफान मैंडूस ने तमिलनाडु में मचाई तबाही, उड़ानें रद्द, स्कूल बंद

चक्रवाती तूफान मैंडूस ने तमिलानडु में बड़ी तबाही मचाई है। तूफान की वजह से चेन्नई हवाई अड्डे पर उड़ानों को रोक दिया गया है। तूफान के कारण कई इलाकों में भारी बारिश देखने को मिली है। सड़कों पर पानी भर गया है और दीवारें गिर गई हैं। तूफान ने पेड़ों को भी अपना शिकार बनाया है। कुल मिलाकर कहें तो इस तूफान के कारण जन–डीवन अस्त व्यस्त है। मैंडूस के कारण तमिलनाडु के तटीय इलाके में भारी नुकसान की खबरें लगातार आ रही हैं। वहीं कई तटीय इलाकों में अब भी बारिश हो रही है। दक्षिण भारत में खासकर मैंडूस का कहर देखने को मिल रहा है। जो गाड़ियां सड़कों पर खड़ी थीं,

भारी बारिश की वजह से उन्हें भी नुकसान पहुंचा है। कॉलोनी में भी भारी बारिश की वजह से घुटने भर तक पानी भर आया है। हालात इस कदर खराब हैं कि प्रशासन ने आने वाले कुछ समय तक के लिए स्कूल–कॉलेज बंद करने का फैसला लिया है। पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश के भी कुछ इलाकों में इसका असर देखने को मिला है। रेसक्यू टीमें यानी एनडीआरएफ, एसघ्डीआरएफ की टीमों को अलर्ट पर रहने के लिए कह दिया गया है। 8 दिसंबर की देर रात से ही चेन्नई और इसके आसपास के इलाकों में भारी बारिश हो रही है। चेम्बरमबक्कम और पूंडी जलाशयों में जल स्तर बढ़ रहा है। ऐसे में इन जलाशयों से अतिरिक्त पानी छोड़ा गया है। चक्रवात की चेतावनी के बाद पड़ोसी पुडुचेरी में भी सबी स्कूलों और कॉलेजों की छुट्टी कर दी गई है। सुरक्षा इंतजाम के लिए 16 हजार पुलिस बल और होम गार्ड्स के 1600 जवानों को राहत बचाव के लिए मुस्तैद किया गया है।

बीजेपी की 'भारी मशीनरी' ने MCD Election को मुश्किल बना दिया था : अरविंद केजरीवाल

नयी दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनाव के प्रचार के दौरान तैनात भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ''भारी मशीनरी'' ने इसे आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा

अब तक लड़ा गया सबसे कड़ा मुकाबला बना दिया था। उन्होंने भाजपा पर दुष्प्रचार फैलाने के लिए मीडिया पर दबाव बनाने का आरोप लगाया। नवनिर्वाचित पार्षदों को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि आप ने सकारात्मक राजनीति की और ''हमारे काम'' के बारे में बात की। उन्होंने दावा किया, ''यह चुनाव बहुत–बहुत मुश्किल था। कुछ लोग कहते हैं कि यह आसान चुनाव था लेकिन ऐसा नहीं है। जिस तरीके से उन्होंने हमारे खिलाफ साजिश रची और जिस तरीके से हमारे खिलाफ सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल किया, उससे यह हमारे द्वारा अभी तक लड़ा गया सबसे मुश्किल चुनाव था।'' केजरीवाल ने कहा, ''प्रचार के दौरान भाजपा द्वारा तैनात भारी मशीनरी ने इसे आप के लिए अब तक का सबसे कड़ा चुनाव बना दिया था।'' जेल में बंद मंत्री एवं आप नेता सत्येंद्र जैन के कथित वीडियो के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने ''हमारे खिलाफ दुष्प्रचार'' फैलाने के लिए मीडिया पर दबाव बनाया। आप प्रमुख ने कहा, ''हम सकारात्मक राजनीति करते हैं और अपने काम के बारे में बात करते हैं। भाजपा ने फर्जी वीडियो और जेल में बंद एक ठग के पत्रों के जरिए हमें अपने काम के बारे में चर्चा नहीं करने दी।''

सीमावर्ती गांवों की अन्य राज्यों में विलय की मांग महाराष्ट्र के हित में नही: रामदास आठवले

ठाणे। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कहा है कि महाराष्ट्र के कुछ सीमावर्ती गांवों का कर्नाटक सहित अन्य पड़ोसी राज्यों में विलय की मांग करना प्रदेश के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि

ये गांव राज्य का हिस्सा बने रहें और उनके बाशिंदों को सभी सुविधाएं हासिल हों। ठाणे जिले के कल्याण में शुक्रवार को आयोजित एक कार्यक्रम से इतर आठवले ने संवाददाताओं से कहा कि वह सीमा विवाद पर चर्चा के लिए जल्द मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात करेंगे। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री ने कहा, ''सीमा विवाद नया नहीं है, क्योंकि यह राज्य के गठन से पहले मौजूद था। हालांकि, अब नौबत यह आ गई है कि महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित कुछ गांव राज्य से अलग होना चाहते हैं। यह राज्य के लिए हित में नहीं है।'' उन्होंने कहा कि सिर्फ कर्नाटक की सीमा से सटे महाराष्ट्र के गांवों के लोग ही असंतुष्ट नहीं हैं बल्कि मध्य प्रदेश और गुजरात की सीमा के पास स्थित गांवों के लोग भी पड़ोसी राज्यों में विलय के इच्छुक हैं। आठवले ने कहा कि एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार को इस मुद्दे को सुलझाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''सीमा मुद्दा फिलहाल अदालत में विचाराधीन है। लेकिन राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इन सीमावर्ती गांवों को सभी सुविधाएं मिलें। उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ये गांव राज्य का ही हिस्सा बने रहें। मैं इस मुद्दे पर चर्चा के लिए जल्द शिंदे और फडणवीस से मिलूंगा।

श्रद्धा के पिता ने महाराष्ट्र पुलिस को ठहराया जिम्मेदार, कहा- मेरी बेटी आज जिंदा होती अगर...

नई दिल्ली। श्रद्धा वाकर से अलग रह रहे पिता ने शुक्रवार को उनके प्रेमी आफताब पूनावाला के लिए मौत की सजा की मांग की है। आफताब पर श्रद्धा वॉकर की हत्या करने और उसके शरीर के 35 टुकड़े करनेका आरोप है। रू श्रद्धा वॉकर के पिता विकास वॉकर ने अपनी

बेटी के लापता होने की जांच में देरी के लिए महाराष्ट्र के वसई में दो पुलिस स्टेशनों के अधिकारियों को दोषी ठहराया। विकास वॉकर ने कहा कि जैसे मेरी बेटी की हत्या हुई है वैसे ही आफताब पूनवाला को भी उसी तरह का सबक मिलने की मैं उम्मीद करता हूं। आफताब के परिजनों, रिश्तेदारों व घटना में शामिल अन्य सभी के खिलाफ जांच होनी चाहिए। श्रद्धा वॉकर के पिता ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने हमें भरोसा दिलाया है कि हमें न्याय मिलेगा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी मुझे आश्वासन दिया है कि मैं आपको न्याय दिलाऊंगा।

बिलकिस बानो की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 13 दिसंबर को होगी सुनवाई, बलात्कार–हत्या के दोषियों की जल्द रिहाई के आदेश को दी गई है चुनौती

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट 13 दिसंबर को बलात्कार और हत्या के अपराध के लिए दोषी ठहराए गए 11 लोगों की जल्द रिहाई को चुनौती देने वाली बिलकिस बानो द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई करेगा। जस्टिस अजय रस्तोगी और जस्टिस बेला त्रिवेदी की खंडपीठ इस मामले की सुनवाई करेगी। बिल्किस की ओर से पेश अधिवक्ता शोभा गुप्ता ने 30 नवंबर को भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष याचिका का उल्लेख किया था। समय से पहले रिलीज होने वाले पेपर साझा नहीं किए गए: अपनी याचिका में बिलकिस ने कहा कि उन्होंने राज्य सरकार से सभी दोषियों की समय से पहले रिहाई से संबंधित कागजात या पूरी फाइल का

अनुरोध किया, लेकिन रिमाइंडर के बावजूद राज्य सरकार की ओर से कुछ भी नहीं आया। बिलकिस ने कहा कि अपराध की शिकार होने के बावजूद, उन्हें छूट या समय से पहले रिहाई की ऐसी किसी प्रक्रिया के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। याचिका में गुजरात के छूट आदेश को लगातार निर्धारित कानून की आवश्यकता की पूरी तरह से अनदेखी करते हुए छूट का एक यांत्रिक आदेश कहा गया है। याचिका में कहा गया है कि पूरे देश और पूरी दुनिया के साथ बिलकिस को सभी दोषियों की समय से पहले रिहाई की चौंकाने वाली खबर के बारे में पता चला, जिन्हें पूरे सार्वजनिक चकाचौंध में माला पहनाई गई और सम्मानित किया गया। रिहाई को चुनौती देने वाली एक अन्य याचिका में, जिस पर सुप्रीम कोर्ट पहले से ही सुनवाई कर रहा है, गुजरात सरकार ने एक हलफनामा दायर कर सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि इन 11 दोषियों को अच्छे व्यवहार और केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद 14 साल की सजा पूरी करने के बाद रिहा किया गया था। मामले में आजीवन कारावास की सजा पाए 11 दोषियों को अगस्त में रिहा कर दिया गया था। सजा में छूट के लिए उनके आवेदन की अनुमति के बाद दोषियों को गुजरात की छूट नीति के तहत मुक्त कर दिया गया था।

रामपथ चौड़ीकरण की प्रक्रिया हुई तेज, ढ़हाये जा रहे भवन

–रामपथ चौड़ीकरण में 15561 रूपए प्रति वर्ग मीटर दिया जा रहा मुआवजा

अयोध्या। रामपथ के लिए सहादतगंज से नयाघाट तक सड़क चौड़ीकरण की प्रक्रिया तेज हो गयी है। 13 किलोमीटर लंबे मार्ग के चौड़ीकरण को लेकर नयाघाट बाजार के बाद बुलडोजर बाबू बाजार पहुंच गया, बीती रात इस बाजार में 10 दुकानें गिराई गई हैं। प्रशासन की रफ्तार देख लोग अब दूकाने व मकान खुद तोड़ और खाली कर रहे हैं।

वहीं चौड़ीकरण से प्रभावित हो रहे दुकानदार और भवन स्वामी अपनी सम्पत्ति राज्यपाल के नाम बैनामा कर रहे हैं। प्रभावितों को मुआवजे के तौर पर 15561 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से कुर्सी रेट यानी कांस्ट्रक्शन लागत का भुगतान किया जा रहा है। यह बैनामा स्टाम्प शुल्क फ्री है। अब तक करीब 150 बैनामे हो चुके हैं। सआदतगंज से नयाघाट तक 4 चरणों में रामपथ चौड़ीकरण का प्रोजेक्ट है। सआदतगंज बाईपास से 0.35 कि.मी. सिविल लाइंस तक सड़क पूरी तरह से साफ है। यहां किसी भी व्यक्ति को कोई मुआवजा नहीं दिया जाना है। चौड़ीकरण की जद में लगभग 2600 दुकान व भवन आ रहे हैं। चौड़ीकरण का मुख्य कार्य रिकाबगंज से नियावां, नियावां से टेढ़ीबाजार और टेढ़ी बाजार से नयाघाट तक किया जाना है। रिकाबगंज से नयाघाट तक अनुमानित 1000 बैनामे होने हैं। अब तक 150 बैनामे हो चुके हैं। भवन स्वामियों से बैनामा लेने की प्रक्रिया में जिला प्रशासन के साथ पीडब्ल्यूडी के जेई, रजिस्ट्री विभाग के कर्मचारी और 5 एसडीएम लगाये गये हैं। एडीएम प्रशासन अमित सिंह ने बताया कि मुआवजे की धनराशि कुर्सी रेट के आधार पर दिया जा रहा है। प्रति वर्ग मीटर 15561 रुपये कांस्ट्रक्शन लागत की दर से मुआवजा दिया जा रहा है। करीब 2000 दुकानदारों को पुनर्वास के लिए सहायता राशि दी जानी है। दुकानों के लिए यह सहायता राशि न्यूनतम 1 लाख और अधिकतम 10 लाख रुपये निर्धारित है। अब तक 600 दुकानदारों ने बैनामा करने की सहमति दे दी है। 400 की सहमति प्रक्रिया में है। मुआवजा देने की प्रक्रिया भी बनी है। यह मुआवजा भवन की चौड़ाई, गहराई व भवन की आयु के आधार पर दिया जा रहा है।

दहेज में नहीं मिली कार, विवाहिता को उतारा मौत के घाट

पुलिस ने पति, सास व ससुर को किया गिफ्तार

मिल्कीपुर–अयोध्या। दहेज में कार ना मिलने से लड़की के ससुराल वालों ने विवाहिता को उतारा मौत के घाट। जानकारी मिलने पर मृतका के पिता प्रदीप कुमार मिश्रा की तहरीर पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में पति सास–ससुर व ननद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर। पुलिस टीम ने पति ,सास, ससुर को आज गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है वहीं ननंद रेणु की तलाश में जुटी है। थाना कुमारगंज अंतर्गत अकमा पूरे कड़बड़ गांव निवासी अंकित तिवारी पुत्र राम सरदार तिवारी ने अपनी पत्नी श्वेता को दहेज के लिए मार दिया। तथा मृतका के पिता व उनके अन्य परिजनों को सूचना दिया कि श्वेता की तबीयत खराब थी, और उसकी मौत हो गई । सूचना मिलते ही श्वेता के बाबा व अन्य लोग मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी 7 दिसंबर को पुलिस को दिया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर मौत होने की पुष्टि हुई । पुलिस ने मृतका के पिता प्रदीप कुमार मिश्रा पुत्र सूर्य भवन मिश्रा निवासी चिरंजीव जमुनियामऊ थाना कुमारगंज की तहरीर पर मृतका के पति अंकित तिवारी,ससुर राम सरदार तिवारी, सास शंकुतला तिवारी व ननद रेणु के खिलाफ धारा 398ए, 304 बी आईपीसी व 3ध्4 दहेज उत्पीड़न एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुटी थी। प्रभारी निरीक्षक थाना कुमारगंज शिव बालक ने बताया विवाहिता की हत्या करने वाले आरोपी शिवनाथपुर पुलिया के पास रायबरेली अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़े थे। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक अभिषेक सिंह,कमलेश कुमार, कांस्टेबल मनदीप चौधरी, नरेन्द्र कुमार व महिला कांस्टेबल प्रियंका दीक्षित मौके पर पहुंचकर अंकित तिवारी, राम सरदार तिवारी व शकुन्तला तिवारी को गिरफ्तार कर थाने ले गए जहां पर विधिक कार्यवाही करते हुए पुलिस ने जेल भेज दिया।

डीएम ने पीडब्लूडी के कार्यालयों का किया निरीक्षण

कई कर्मचारी कार्यालय के बाहर परिसर में मिले टहलते

अयोध्या। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियन्ता निर्माण खण्ड–2, निर्माण खण्ड–3 तथा निर्माण खण्ड–4 के कार्यालयों का पूर्वान्हन 10:39 बजे आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उक्त कार्यालयों के कई कर्मचारी कार्यालय के बाहर परिसर में टहलते हुये पाये गये। इस दौरान उक्त तीनों निर्माण खण्डों के तीनों अधिशाषी अभियन्ताओं सहित निर्माण खण्ड–2 के कुल 17 कर्मचारियों में से 07 कर्मचारी, निर्माण खण्ड–3 के कुल 17 कर्मचारियों में से 04 कर्मचारी तथा निर्माण खण्ड–4 के कुल 19 कर्मचारियों में से 10 कर्मचारी अनुपस्थित मिले। जिलाधिकारी ने अनुपस्थित समस्त कर्मचारियों का दिनांक 09 दिसंबर (एक दिन) का वेतन अवरुद्ध करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंताओं को समस्त कर्मचारियों की कार्यालय में उपस्थिति समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिशाषी अभियन्ता के उपस्थित आने पर जिलाधिकारी ने रामपथ (सहादतगंज से नयाघाट तक) के चौड़ीकरणध्सुदृढ़ीकरण हेतु प्रभावित भू–स्वामियोंध्दुकानदारों से भूमि के बैनामे व अनुग्रह ध नराशि के मूल्यांकन संबंधी कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा राम पथ के निर्माण सम्बंधी समस्त कार्यों को प्राथमिकता पर और और तीव्र गति से करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यालय में कार्यरत कनिष्ठ सहायक एवं वरिष्ठ सहायकों से कम्प्यूटर टाइपिंग की स्पीड पर नाराजगी व्यक्त की तथा समस्त कनिष्ठ एवं वरिष्ठ सहायकों को निध ार्रित समय की नोटिस देकर स्पीड टेस्ट कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाये कि समस्त कनिष्ठ एवं वरिष्ठ कनिष्ठ सहायकों की कम्प्यूटर टाइपिंग स्पीड निर्धारित मानक से कम न हों। निरीक्षण के दौरान उक्त कार्यालयों में साफदृ सफाई व्यवस्था ठीक नही पायी गयी। सीढ़ी व लॉन में कई स्थानों पर पान के थूक के साथ ही आलमारियों की पेंटिंग एवं सफाई ठीक नही पायी गयी, कई स्थानों पर जाले लगे पाये गये। जिलाधिकारी सम्पूर्ण कार्यालय को तत्काल साफ साफदृसुथरा कराने, आलमारियों की साफदृ सफाई व पेंटिंग कराने हेतु सम्बंधित अधिशाषी अभियन्ता को निर्देशित किया। जिलाधि ाकारी ने भवन के छत भी देखी तथा उसे तत्काल साफ कराने के निर्देश दिये। इस दौरान जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग निर्माण खण्ड–2 व निर्माण खण्ड–4 द्वारा सुरसरि कालोनी में भवनों के अनुरक्षण हेतु प्राप्त धनराशि व उसके सापेक्ष कालोनी में कराये गये कार्यो सम्बंधी रजिस्टरध पत्रावलियों का अवलोकन किया। तदोपरांत जिलाधिकारी ने अधिशाषी अभियन्ता निर्माण खण्ड–4 के साथ सुरसरि कालोनी का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कालोनी के समस्त आवासीय भवनों पर मकान संख्या लिखवाने कॉलोनी परिसर से मलवे को हटाने हेतु अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया तथा कालोनी परिसर को साफ सुथरा कराने के निर्देश दिये। उन्होंने भवनों के अनुरक्षण हेतु प्राप्त धनराशि का बेहतर सदोपयोग करने व समस्त कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य कराने तथा विगत पांच वर्षो में सुरसरि कालोनी में अनुरक्षण हेतु कराये गये कार्यो सम्बंधी पत्रावलियों को प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अग्रसेन चौक से जिलाधिकारी आवास को जाने वाले मार्ग पर जल निगम द्वारा सीवर लाइन डालने हेतु मार्ग की खुदाई में निकले मलवे को हटाने, मार्ग व नाली को ठीकध साफ कराने हेतु परियोजना प्रबन्ध ाक नागर कार्य इकाई को निर्देशित किया।

16 जनवरी को होगा कृषि विश्वविद्यालय का 24वां दीक्षांत समारोह

मिल्कीपुर–अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का 24 वां दीक्षांत समारोह 16 जनवरी को धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कुल सात महाविद्यालयों के छात्र छात्राओं को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल अपने हाथों से मेडल व उपाधि देकर सम्मानित करेंगी। इसकी पुष्टि कृषि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉक्टर पीएस प्रमाणिक ने की है। डॉक्टर प्रमाणिक ने बताया कि दीक्षांत समारोह के तारीख का ऐलान होते ही विश्वविद्यालय ने तैयारियां तेज कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कई टीमों की कमेटी कमेटी भी गठित कर दी गई है जो समारोह को सकुशल संपन्न कराने में जुट गई है।

साप्ताहिक बंदी की हकीकत को परखा

गोसाईगंज–अयोध्या। साप्ताहिक बंदी को कारगर बनाने के लिए श्रम विभाग ने गोसाईगंज कस्बे में अभियान चलाया। अभियान के दौरान खुली दूकानों में पहुंचकर साप्ताहिक बंदी का पालन करने की हिदायत देते हुए सख्त लहजे में कहाकि अगर चेतावनी के बाद भी साप्ताहिक बंदी के दिन दूकान खोली गई तो जुर्माना ठोका जाएगा।.. श्रम परिवर्तन अधिकारी ने कस्बे के तेलियागढ़,भीटी तिराहा,कटरा, बस स्टैंड,नवीन मार्केट में साप्ताहिक बंदी को लेकर बाजार में खुली दूकानो को बंद कराया और व्यापारियो से साप्ताहिक बंदी का सफल बनाने के लिए दुकानों को बंद कर सहयोग करने की अपील भी किया।श्रम प्रवर्तन अधिकारी डीके तिवारी ने कहाकि दूकानदारों के द्वारा बच्चों से मजदूरी कराने की शिकायत मिल रही है।इसलिए अपनी दुकानों पर 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को दुकान पर ना रखें अन्यथा छापेमारी के दौरान अगर पकडे गए तो उनके ऊपर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

चोरी के पंखे साथ युवक गिरफ्तार

गोसाईगंज–अयोध्या। थाना महराजगंज पुलिस ने चौबीस घण्टे के अंदर पंचायत भवन से चोरी किये गए आरोपी को मय पंखा के गणेश बाबा चौराहे से गिरफ्तार कर किया है।एसएचओ दिनेशकुमार के मुताबिक पकड़े गए युवक की पहचान साहिल वर्मा पुत्र रामलखन वर्मा निवासी अलनाभारी विजड़ा के रूप मे हुई।पकड़े गए युवक के पास से पुलिस ने चोरी हुए दो पंखे को भी बरामद किया है।युवक को चालान कर न्यायालय भेजा गया।मालूम हो कि बीती रात अलनाभारी गांव में बने पंचायत भवन में लगे दो पंखे को चोरो ने पार कर दिया था।मामले में ग्राम प्रधान चन्द्रभान वर्मा की तहरीर पर अज्ञात पर केस दर्जकर चोरो की तलाश में जुटी हुई थी।

सड़क किनारे युवक का रक्तरंजित शव मिला,हत्या की आशंका

कानपुर। बिधनू थाना क्षेत्र के मझावन रोड पर साईं मंदिर के पास रोड किनारे एक युवक का शव पड़ा मिला। युवक बारात में गाड़ी बुकिंग लेकर आया था। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस मौके पर जांच पड़ताल कर रही है। सड़क किनारे रक्त रंजित मिला शवः कानपुर के मेहरबान सिंह का पुरवा निवासी मनोज (40) शादी विवाह में अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी बुकिंग में चलाते थे। वह यशोदा नगर से बारात लेकर बिध ानू थाना क्षेत्र के बाजपुर गांव किनारे स्थित अखिल रिसार्ट में बारात लेकर आए थे। ..सुबह युवक का शव साढ़–मझावन रोड पर स्थित साईं मंदिर के पास रोड के किनारे रक्त रंजित हालत में पड़ा मिला है। राहगीरों ने युवक के शव को सड़क किनारे पड़ा देखा तो पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही बिधनू थानाध यक्ष योगेश कुमार फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और आसपास लोगों से घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस ने युवक के परिजनों को सूचना देने के साथ फोरेंसिक टीम को बुलाया है। जानकारी मिलते ही पत्नी अंजू यादव, मां कृष्णा देवी व पिता जिलेदार ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। पत्नी अंजू का आरोप है कि उनके पति की हत्या की गई है। वहीं मौके पर पहुंचे परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। मामले में बिधनू थानाध्यक्ष योगेश कुमार ने बताया कि घटना की जांच की जा रही तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

सपा विधायक मामला: आधार बनाने वाला नामजद फरार आरोपी अभी पुलिस की पकड़ से दूर

कानपुर। सपा विधायक इरफान सोलंकी को फरार कराने के मामले में पुलिस ने सपा नेत्री नूरी शौकत के मौसा इशरत को गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने उसके कर्नलगंज स्थित घर से विधायक का फर्जी आध ार कार्ड भी बरामद कर लिया है। पुलिस ने कोर्ट में साक्ष्य के तौर पर फर्जी आधार कार्ड भी प्रस्तुत किया है, जिसको केस में शामिल कर लिया गया है। पिछले एक सप्ताह से आधार कार्ड बरामद करना चुनौती बना हुआ था।पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड ने बताया कि मामले में नामजद आरोपी नूरी शौकत के मौसा इशरत को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में पता चला कि उसने अपने घर पर विधायक का फर्जी आधार कार्ड छिपाकर रखा है। पुलिस की टीम ने उसको बरामद कर लिया। विधायक ने नूरी के घर पर ली थी पनाहः पुलिस के मुताबिक इशरत ने पूरी वारदात कबूली है। उसने बताया कि विधायक ने नूरी के घर पर पनाह ली थी। वहीं पर विधायक का फर्जी आधार कार्ड बनाया गया था। नूरी के भाई अशरफ अली के आधार पर ही इरफान की फोटो लगाकर स्कैन किया गया था। तब वह वहीं पर मौजूद था। यही आधार विध ायक लेकर वहां से निकले थे, जिससे उनकी खुद की पहचान उजागर न हो सके। अशरफ अली की पहचान से ही वह मुंबई पहुंचे थे। पूछताछ में इशरत ने बताया कि इरफान के सरेंडर की उसे पहले ही जानकारी थी। इशरत के मुताबिक सरेंडर के दिन (02 दिसंबर) सपा विधायक ने अपने घर पर उनको बुलाया था। इस दौरान फर्जी आधार कार्ड विधायक ने इशरत को दिया था। इरफान ने कहा था कि इसको ठिकाने लगा देना। पुलिस के हाथ नहीं लगना चाहिए। आठ आरोपी भेजे गए जेल : ग्वालटोली के केस में कुल नौ नामजद आरोपी हैं, जिनमें से आठ आरोपी जेल पहुंच चुके हैं। अली नाम का नामजद आरोपी फरार है। उसी ने आधार बनाया था।

बीईओ ने प्राथमिक विद्यालय मसेढ़ा का किया औचक निरीक्षण

–नामांकित 120 छात्र–छात्राओं के सापेक्ष मिले मात्र 44 छात्र

मिल्कीपुर अयोध्या। मिल्कीपुर खंड शिक्षा अधिकारी पद पर कार्यभार ग्रहण करने के दूसरे दिन ही बीएलओ रिचा सिंह ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। उन्होंने अंग्रेजी माध्यम में संचालित प्राथमिक विद्यालय मसेढ़ा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय में नामांकित 120 छात्र–छात्राओं के सापेक्ष 44 छात्र–छात्राओं का आधार कार्ड न बन पाने पर असंतोष व्यक्त किया और विद्यालय के प्रधानाध्यापक को खामियों को दुरुस्त कराए जाने के निर्देश दिए। हालांकि उन्होंने विद्यालय परिसर अत्यंत साफ स्वच्छ देख प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक के कार्यों की सराहना की। बी ई ओ रिचा सिंह ने विद्यालय के अतिरिक्त कक्षा कक्ष में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र में अध्ययनरत नौनिहालों का भी हाल जाना और छोटे–छोटे बच्चों से सवाल भी किए, जिनका बच्चों ने बखूबी जवाब दिया जिस पर उन्होंने जमकर प्रशंसा की। निशा के दौरान बी ई ओ ने विद्यालय परिसर में बने शौचालय, दिव्यांग शौचालय एवं किचेनध स्टोर का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने मौजूद रसोइयों को साफ स्वच्छ एमडीएम बनाए जाने के निर्देश दिए। विद्यालय परिसर में हरे भरे पेड़ पौधे देख उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कक्षा कक्ष में अध्यापन कार्य कर रहे शिक्षक विनय कुमार एवं शिक्षिका रश्मि गोयल के शिक्षण कौशल को भी परखा तथा कक्षा कक्ष में मौजूद छात्र छात्राओं से पढ़ाए जा रहे विषय से संबंधित तमाम सवाल किए, जिसका छात्र–छात्राओं ने सही प्रत्युत्तर दिया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में नामांकित 120 छात्र छात्राओं के सापेक्ष 67 छात्र–छात्राएं नामांकित मिले। विद्यालय में तैनात प्रधानाध्यापक प्रदीप कुमार गुप्ता, सहायक अध यापक रेफांशु सिंह, विनय कुमार एवं रश्मि गोयल सहित शिक्षामित्र एवं रसोई मौजूद रहे। बीईओ मिल्कीपुर रिचा सिंह ने बताया कि शासन के निर्देश के क्रम में शिक्षा क्षेत्र के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों का लगातार निरीक्षण किया जाएगा। शिक्षा की गुणवत्ता से खिलवाड़ करने वाले शिक्षकों को कतई बख्शा नहीं जाएगा।

चोरी की घटना में पीड़ित दर दर भटकने को मजबूर

उन्नाव। मित्र की शादी में गए दो बाइक सवारों की बाइक गेस्ट हाउस पार्किंग से लापता हो गयी। इसकी जानकारी पीड़ितों को तब हुई जब वह शादी में शामिल होने के बाद घर जाने को पार्किंग पहुचे। घटना को एक सप्ताह से अधिक का समय बीत चुका है लेकिन पुलिस ने चोरी गयी बाइकों का पता लगाना दूर अब तक एफआईआर तक नही दर्ज की गई। पूरा मामला शहर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत का बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार उक्त कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत मोहल्ला जेरखिड़की निवासी यासीन पुत्र नसीम व जावेद पुत्र असरफ अली निवासी दरियनखेड़ा बीती एक दिसंबर को अपने मित्र मुश्ताक अली की बेटी की शादी के निमंत्रण में गया था। दोनों ने अपनी अपनी बाइक पार्किंग में खड़ी की और निमन्त्रण में शामिल होने चले गए। घर जाने को जब वापस लौटे तो उनकी बाइक वहां नही मिली। इसके बाद पीड़ितों ने डायल 112 को सूचना दी। सूचना पर पहुचीं पुलिस ने पूछताछ के बाद कोतवाली में शिकायत की बात कही। इस सम्बंध में जब आलमबाग रिसोर्ट जहां से बाइक चोरी हुई के मालिक अली इमाम जैदी से जब बाइक के सम्बंध में जानकारी की तो उन्होंने उल्टे ही मामले में फसाये जाने की बात कहकर चलता कर दिया। इतना ही नही पीड़ित का आरोप है कि बाइक गेस्ट हाउस पार्किंग से चोरी हुई है इसकी जिम्मेदारी भी कही न कही गेस्ट हाउस संचालक की होती है, लेकिन पुलिस मामले में हीलाहवाली कर रही है।

कांगेसियों ने मनाया सोनिया गांधी का जन्मदिन

-पार्टी नेताओं ने राहगीरों को मिठाई खिलाकर खुशी का किया इजहार

अयोध्या। कांग्रेस पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा यूपीए की चेयर पर्सन श्रीमती सोनिया गांधी का 76 वा जन्मदिन कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिला अध यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में कांग्रेस जनों ने कांग्रेस कार्यालय के समक्ष राहगीरों को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया। जिला अध यक्ष अखिलेश यादव ने श्रीमती सोनिया गांधी को त्याग और सादगी की प्रतिमूर्ति बताते हुए कहा यूपीए की सरकार बनने पर श्रीमती सोनिया गांधी आसानी से प्रधानमंत्री बन सकती थी पर वे ना ही सरकार में शामिल हुई और ना ही अपने पुत्र राहुल गांध ी अथवा प्रियंका गांधी को मंत्रिमंडल में शामिल किया। उनका यह निर्णय कांग्रेस पर वंशवाद का आरोप लगाने वालों के लिए करारा जवाब था। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य राजेंद्र प्रताप सिंह तथा प्रदेश प्रवक्ता गौरव तिवारी वीरू ने कहा सास और पति की मृत्यु के बाद श्रीमती सोनिया गांधी राजनीति में आने की बिल्कुल इच्छुक नहीं थी परंतु कांग्रेस कार्यकर्ताओं के दबाव में उनके सक्रिय राजनीति में आने के बाद विपक्ष ने उन पर चारित्रिक आरोप लगाए तथा उनके विदेशी मूल के मुद्दे को उठाया। परंतु इन सब मुद्दों को नजरअंदाज करते हुए आज सोनिया जी इस देश की सर्वमान्य और लोकप्रिय नेता है। जिला प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने कहा यह श्रीमती सोनिया गांधी का राजनीतिक कौशल ही था की विपरीत परिस्थितियों में कांग्रेस ने श्रीमती गांधी के नेतृत्व में 10 वर्षों तक यूपीए की सरकार निर्बाध और अविवादित रूप से चलाई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से एआईसीसी सदस्य उग्रसेन मिश्रा, प्रवीण श्रीवास्तव, रामेंद्र त्रिपाठी ,अब्दुल हकीम, उमेश उपाध्याय, डीएन वर्मा, विजय पांडे, अशोक कुमार राय ,कविंद्र साहनी, चंचल सोनकर, डॉ विनोद गुप्ता, शैलेंद्र विक्रम सिंह, प्रेम कुमार पांडे ,अभिमन्यु यादव आदि उपस्थित रहे

डेंगू के 10 नए केस आए

कानपुर। शहर में डेंगू की रफ्तार अब कम हो रही है। 10 नए केस आए। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार,उर्सला की लैब ने 46 मरीजों की जांचों में 9 संक्रमितों की रिपोर्ट दी है। वहीं जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज की माइक्रोबायोलॉजी लैब में 16 मरीजों की हुई जांच में 1 मरीज संक्रमित पाया गया। दोनों लैब में कुल 62 सैंपल की जांच की गई। डेंगू पॉजिटिविटी रेट 16.13 फीसदी है। एसीएमओ संचारी रोग डॉ.आरएन सिंह ने बताया कि नगर में डेंगू सक्रिय मरीज 28 हैं। वहीं 5 संक्रमित कानपुर नगर के हैं और 5 मरीज अन्य जिले का है।

आबकारी की कार्यवाही 50 लीटर ,अवैध शराब के साथ एक अभियुक्ता गिरफ्तार..

उन्नाव आबकारी आयुक्त के आदेशानुसार अवैध शराब के विरुद्ध चलाये जा रहे प्रवर्तन अभियान के क्रम में जिलाधिकारी अपूर्वा दुबे व पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ शंकर मीणा के निर्देशानुसार व जिला आबकारी अधिकारी करुणेन्द्र सिंह के पर्यवेक्षण मे आबकारी निरीक्षक राजेश प्रताप सिंह क्षेत्र–4 पुरवा मय हमराह, व थाना मौरावां पुलिस स्टाफ के साथ संदिग्ध ग्राम असरेंदा व दिगपाल गंज थाना मौरावां में एक बारगी दबिश देते हुए एक अभियुक्ता को 50 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया गया साथ ही 500 किलो महुआ लहन व 2 भट्टियों को मौके पर नष्ट किया गया। अभि0 1 मिथिलेश कुमारी पत्नी बिन्दाप्रसाद निवासी दिगपाल गंज थाना मौरावां जनपद उन्नाव को आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कराया गया ।

गांव से लेकर शहर तक का विकास कर रही सरकारः सांसद जगदंबिका पाल

सांसद जगदंबिका पाल ने किया पंचायत भवन साहेपारा का उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सांसद डुमरियागंज जगदंबिका पाल एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेंद्र कुमार द्वारा पंचायत भवन साहेपारा का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर सांसद डुमरियागंज जगदंबिका पाल ने कहा कि मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ का यह प्रयास है और मा प्रधानमंत्री का सपना है कि जिसके सर पर पक्की छत नही है उसको आवास दिया जायेगा। आज गाँव मे समूहों का गठन कराकर महिलाओ को रोजगार से जोड़ा जा रहा है। जब तक गांव का विकास नही होगा तब तक देश का विकास नही हो सकता। महिलाएं घर के काम के साथ ही आर्थिक रूप से भी परिवार को मजबूत करने का काम समूहों के माध्यम से कर रही है। भारत सरकारध्उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा समाज के पात्र लाभार्थियों को योजनाओ का लाभ दिया जा रहा है। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त धनन्जय सहाय, लवकुश ओझा, लालजी शुक्ला, रमेश पान्डेय, विनय पाठक, विक्रम मिश्रा, अम्मर प्रसाद चौधरी, प्रदीप कसौधन आदि उपस्थित थे।

आबकारी विभाग ने दिया दबिश, 40 लीटर अवैध शराब बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार चलाये जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान में शनिवार को संयुक्त आबकारी आयुक्त गोरखपुर जोन गोरखपुर व उप आबकारी आयुक्त, बस्ती प्रभार बस्ती के निर्देशन में, जिला आबकारी अधिकारी सिद्धार्थनगर के नेतृत्व में क्षेत्रीय अबकारी निरीक्षकों की टीम द्वारा चेतिया, जोकईला, सोनोली नानकार, अोदनवताल, मँझरिया आदि स्थलों पर दबिश दी गयी। दबिश के दौरान लोगों के रहन सहन तथा गाँव के बाहर जंगल की तलाशी ली गयी। दबिश के दौरान तलाशी में लगभग 40 लीटर अवैध शराब बरामद हुई, बरामद शराब को कब्जे में लेकर आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओ में 02 अभियोग पंजीकृत किए गये।

उसका में सेलटैक्स की टीम ने की छापेमारी, दुकानदारों में हड़कंप

अनंत मिश्रा/दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। उसका कस्बा में शनिवार को

सेल टैक्स की छापेमारी हुई। इस छापेमारी से दुकानदारों में हड़कंप मच गया। पिछले एक सप्ताह से कस्बा की अधिकांश दुकाने बंद है। एक सप्ताह से लगातार सेल टैक्स की जिले में छापेमारी से व्यवसायिक गतिविधि प्रभावित हो गयी है। कपड़ा, सराफा, बर्तन, मोबाइल, बिल्डिंग मैटेरियल्स, हार्डवेयर आदि का कामधंधा लगभग ठप सा हो गया है। शनिवार को नगर पंचायत उसका बाजार में सेल टैक्स की छापेमारी से सभी दुकानें बंद हो गयी। उसका बाजार के मुंशी अंसारी के दुकान पर सेल टैक्स ने शनिवार को छापेमारी किया वही एसिस्टेंट कमिश्नर महेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि इंटेलिजेंस डाटा बेस के आधार पर छापेमारी की जा रही है और जो मुख्यालय से जानकारी मिलती है उसी के अनुसार छापेमारी की जा रही है और जिन व्यापारियों को 40 लाख रुपए सालीन टर्न ओवर है उन्ही पर छापेमारी की जा रही है लेकिन जो भी 40 लाख रुपए से कम है वही अपील भी की है कि उनको डरने की बात नही है वे लोग निश्चित होकर दुकान खोले।

पुलिस ने मिशन शक्ति के तहत जागरूकता अभियान चलाया

दैनिक बुद्ध का संदेश

चिल्हिया,सिद्धार्थनगर। अमित कुमार आनन्द, पुलिस अधीक्षक

सिद्धार्थनगर के आदेश एवं सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के निर्देशन में जयराम, क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ के पर्यवेक्षण में दीपक कुमार, थानाध्यक्ष चिल्हिया जनपद सिद्धार्थनगर के नेतृत्व में शनिवार को महिला आरक्षी साधना पासवान महिला आरक्षी शिखा खरवार द्वारा रेलवे स्टेशन चिल्हियाध्कंदवा में बालिकाओं एवम् महिलाओं को उनके सम्मान एवं स्वालंबन मिशन शक्ति अभियान के दृष्टिगत सरकार द्वारा चलाये गये 'मिशन शक्ति अभियान एवं महिला सुरक्षा सम्बन्धी योजनाओं, सुरक्षा कार्यक्रम के उद्देश्य एवं महिला सम्बन्धी अधिकारो तथा साइबर अपराध की रोकथाम के बारे जानकारी दी गयी और शासन द्वारा जारी हेल्पलाइन न0– 112,181,1076,1090,1098,102,108 आदि के बारे मे भी बताया गया तथा 1090 पम्पलेट का वितरण किया गया।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। भारत स्काउट और गाइड सिद्धार्थनगर के सौजन्य से तिलक इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन शनिवार को हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उपजिलाधिकारी बांसी प्रमोद कुमार ने कहा कि स्काउट गाइड की शिक्षा से छात्र–छात्राओं को बहुत कुछ सीखने को मिलता है तथा यह हमें जीवन जीने की कला भी सिखाती हैं, हमें विपरीत परिस्थितियों में किस प्रकार से जीवन यापन करना चाहिए यह शिक्षा हमें स्काउट गाइड से प्राप्त होता है। प्रधानाचार्य डॉ कृष्ण कुमार ने कहा कि स्काउट गाइड के नियम, प्रतिज्ञा, गांठ, बंधन, टोली निर्माण, तंबू निर्माण, बिना बर्तन भोजन बनाने की कला की जानकारी हमारे संपूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण करने में सहायक होती है। जिला संगठन कमिश्नर स्काउट हरीश चंद्र यादव ने कहा कि 3 दिन तक छात्र और छात्राओं ने पूरे मनोयोग से शिक्षा ग्रहण किए तथा उन्हें विविध प्रकार की जानकारी दी गई इस शिक्षा से बच्चों में जहां एक ओर एक दूसरे के परस्पर सहयोग करने की भावना जागृत होती है वही आगे चलकर यह बच्चे सशक्त राष्ट्र निर्माण में सहायक साबित होते हैं, इस दौरान तंबू निर्माण तथा बिना बर्तन भोजन बनाने की कला को भी व्यवहारिक रुप से सीखा तथा उपजिलाधिकारी बांसी व विद्यालय के निर्णायक दल ने उनके तंबुओं का निरीक्षण कर उन्हें उनके कार्य के अनुरूप सम्मान देकर पुरस्कृत भी किया इस दौरान लोकपति सिंह, हरिओम यादव, कमलेश कुमार, अवधेश सिंह, वकील अहमद खां, हरेंद्र बहादुर सिंह, मनोज कुमार सिंह, स्पर्श बर्मा, राज वरुण, जयराम यादव, सीमा यादव, शत्रुघ्न लाल, नितेश कुमार ओझा, पूनम चतुर्वेदी, आंचल श्रीवास्तव, श्रद्धा पाठक, अराधया, कामना दूबे, संध्या मौर्य आदि उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस लगातार कर रही गडियों की जांच

दैनिक बुद्ध का संदेश

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर अमित कुमार आनन्द के आदेश के क्रम में व अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ के कुशल निर्देशन में एवं क्षेत्राधिकारी यातायात देवी गुलाम के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी यातायात अमरेश कुमार मय यातायात पुलिस टीम के साथ पी0ए0 सिस्टम के माध्यम से सनई तिराहा, पेट्रोल पम्प तिराहा, साड़ी तिराहा, शोहरतगढ़ आदि स्थानों पर यातायात जागरूकता से सम्बन्धित

प्रचार–प्रसार किया गया तथा शोहरतगढ़ से खुनवा रोड पर सड़क किनारे से बालू गिराकर किये गये अवैध अतिक्रमण को हटवाया गया। खतरनाक तरीके से गाड़ी चला रहेध्नशे में गाड़ी चलाते हुए वाहन एवं बिना हेलमेट फर्राटा भर रहे वाहनों व यातायात नियम का पालन न करने वाले 26 वाहनों से 24500ध्–रू0 शमन शुल्क की कार्यवाही की गयी तथा आम जनमानस को हेलमेट व सीट बेल्ट धारण करने के पश्चात् ही वाहन चलाने और प्रत्येक दशा में यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया गया, जिससे होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में भारी कमी लायी जा सके।

अलीगढ़वा में भंसार खोलने की मांग को लेकर विधायक को सौंपा पत्र

सदर विधायक श्यामधानी राही को राज्यपाल के नाम गुलदस्ता वा पत्र सौंपते प्रधान,साथ विधायक विनय वर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर। बुद्ध की क्रीड़ा स्थली पर स्थिति सिद्धार्थ विश्व विद्यालय के छठे दीक्षांत के अवसर पर महिम राज्य पाल का आगमन सुनिश्चित रहा। किन्ही अपरिहार कारणों से स्थगन हो गया। जिससे परिषदीय विद्यालय के छात्र सहित गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले छात्रों की खुशी फीकी रही। वही बर्डपुर ब्लाक के ग्राम सभा महादेवा कुर्मी के प्रधान अजीजुद्दीन ने राज्यपाल से मिलने की तैयारी बना, बुद्ध की क्रीड़ा स्थली कपिलवस्तु के विकास को तेज गति देने के लिए मांग पत्र तैयार कर रखा था। प्रधान ने सदर विधायक श्याम धनी राही, विधायक

विनय वर्मा को राज्यपाल के नाम गुलदस्ता वा पत्र सौंपा है। जिसमे भारत नेपाल सीमा के अलीगढ़वा में कस्टम कार्यालय खुलवाने की मांग किया है। विश्व विद्यालय में आने वाले नेपाली छात्रों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। भंसार कार्यालय हो जाने से दोनो देश के व्यापारियों के लिए सहज रास्ता बनने मदद है। बुद्ध की जन्म स्थली से क्रीड़ा स्थली तक जाने में तकरीबन पच्चीस किलोमीटर की दूरी कम हो जाती। सदर विधायक ने प्रधान सहित क्षेत्र के सभी सम्मानित जनता व्यापारियों को आश्वासन दिया है, कि पत्र को महामहिम तक पहुंचाया जाएगा। आप लोगो के मांग पत्र पर महोदया से सिफारिस भी करेंगे। जिसका समर्थन शोहरतगढ विधायक विनय वर्मा ने भी किया है।

सम्पादकीय

कांग्रेस की कुंडली में केजरीवाल का योग

ध्यान रहे जब भी सत्ता विरोधी वोट का बंटवारा होता है तो सत्तारूढ़ पार्टी को फायदा होता है। आप ने कांग्रेस का वोट काटा तो भाजपा की सीटें पिछली बार की 99 से बढ़ कर डेढ़ सौ के पार पहुंच गईं। इसी तरह 2012 में गुजरात परिवर्तन पार्टी ने चार फीसदी वोट हासिल किया तो 47 फीसदी वोट मिलने के बावजूद भाजपा...

ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस की कुंडली में अरविंद केजरीवाल का योग बहुत भारी हो गया है। हर जगह केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की राजनीति कांग्रेस पर भारी पड़ रही है। केजरीवाल की पार्टी के कारण कांग्रेस ने 2013 में दिल्ली गंवाई थी और 2017 में दिल्ली नगर निगम में कांग्रेस की वापसी की संभावना समाप्त हो गई तो केजरीवाल की पार्टी के कारण कांग्रेस ने इस साल पंजाब की सरकार गंवाई। अब गुजरात में भी आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस का भऋा बैठा दिया है। पिछले विधानसभा चुनाव में 42 फीसदी वोट हासिल करने वाली कांग्रेस 27 फीसदी वोट पर अटकी है और उसकी विधानसभा सीटों की संख्या एक चौथाई रह गई, वह मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा भी हासिल नहीं कर पाई। कांग्रेस की बाकी आधी सीटें केजरीवाल के खाते में नहीं गई है वह भाजपा के पास चली गई। आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के 42 फीसदी वोट में से 13 फीसदी वोट हासिल किया और पांच सीटें जीतीं लेकिन कांग्रेस के वोट में बंटवारे का फायदा भाजपा को मिला और वह डेढ़ सौ सीटों के पार पहुंच गई। ध्यान रहे पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करीब 42 फीसदी वोट और 77 सीटें मिली थीं, जबकि भाजपा को 49 फीसदी वोट और 99 सीटें मिली थीं। कई चुनावों के बाद पहली बार ऐसा हुआ था कि भाजपा एक सौ सीट के नीचे रह गई थी, जबकि उसका वोट पहले से बढ़ा था। आमने सामने के चुनाव की वजह से ऐसा हुआ था।

लेकिन इस बार आम आदमी पार्टी ने चुनाव में पूरी ताकत झोंक दी। हालांकि पार्टी के पास न कोई संगठन है और न कोई बड़ा नेता लेकिन आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल की मुफ्त की रेवड़ी बांटने की घोषणाओं और दिल्ली, पंजाब के मॉडल ने गुजरात की एक बड़ी आबादी को आकर्षित किया। उनको लगा कि कांग्रेस के विकल्प के तौर पर आप को आजमाया जा सकता है। केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और भगवंत मान ने यह प्रचार किया कि दिल्ली और पंजाब के लोग कांग्रेस की जगह आप की सरकार बनवा कर खुश हैं। इस चक्कर में कांग्रेस समर्थकों का एक वर्ग आप के साथ चला गया। ध्यान रहे जब भी सत्ता विरोधी वोट का बंटवारा होता है तो सत्तारूढ़ पार्टी को फायदा होता है। आप ने कांग्रेस का वोट काटा तो भाजपा की सीटें पिछली बार की 99 से बढ़ कर डेढ़ सौ के पार पहुंच गईं। इसी तरह 2012 में गुजरात परिवर्तन पार्टी ने चार फीसदी वोट हासिल किया तो 47 फीसदी वोट मिलने के बावजूद भाजपा 115 सीट जीत गई थी। लेकिन 2017 में वोट नहीं बंटा तो भाजपा ने 16 सीटें गंवा दी थी। बहरहाल, गुजरात में कांग्रेस का भऋा बैठाने के बाद केजरीवाल देश के उन सभी राज्यों में राजनीति करेंगे, जहां भाजपा का कांग्रेस से सीधा मुकाबला है। हालांकि ऐसा वे भाजपा की बी टीम की तौर पर या भाजपा के कहने से नहीं करेंगे। ऐसा वे अपने फायदे के लिए करेंगे। उनको लग रहा है कि इस राजनीति से उनकी पार्टी बढ़ रही है। उनकी कोई प्रतिबद्धता भाजपा को हराने की नहीं है।

जरूरत सीख लेने की

दुनिया ब्रिटेन की बात इसलिए सुनी, क्योंकि उसने 1980 के दौर में खुद भी ज्यादातर सार्वजनिक सेवाओं का धुआंधार निजीकरण किया। यहां तक कि पानी का भी। अब ब्रिटेन के लोग उसकी महंगी कीमत चुका रहे हैं। मार्गरेट थैचर के जमाने में ब्रिटेन ने सारी दुनिया को निजीकरण के फायदे बताए। दुनिया ने उसकी बात इसलिए सुनी, क्योंकि उसने 1980 के दौर में खुद भी ज्यादातर सार्वजनिक सेवाओं का धुआंधार निजीकरण किया। यहां तक कि पानी भी प्राइवेट कंपनियों को सौंप दिया गया। आज हाल यह है कि देश में 70 प्रतिशत से अधिक पानी पर इन्वेस्टमेंट फर्मों, प्राइवेट इक्विटी फर्मों, पेंशन फंड्स और टैक्स हैवेन्स से कारोबार करने वाले बिजनेस घरानों का मालिकाना कायम हो गया है। अखबार द गार्जियन के एक रिसर्च के मुताबिक ब्रिटेन के पानी पर दुनिया के बड़े इन्वेस्टमेंट फंड्स का मालिकाना बन गया है। ब्रिटेन की नौ प्रमुख और छह अपेक्षाकृत छोटी पानी और सीवेज कंपनियों में लगभग 100 अन्य कंपनियों की शेयरहोल्डिंग है। 17 देशों की इन कंपनियों का आज ब्रिटेन में वॉटर इंडस्ट्री के 72 प्रतिशत हिस्से पर नियंत्रण है। इस रिसर्च में वॉटर इंडस्ट्री के 82 फीसदी हिस्से को ही शामिल किया जा सका। इस रिसर्च की जरूरत इसलिए पड़ी कि आज ब्रिटिश उपभोक्ता पानी आपूर्ति में कई तरह की दिक्कतों का सामना कर रहे हैं। लोगों को इस समय पानी की कमी, सीवेज बहाव और पाइप लीक की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इसी कारण अब कई जन संगठनों ने वॉटर इंडस्ट्री को जवाबदेह बनाने की मांग उठाई है। आरोप है कि पानी के कारोबारी कारगर सेवा देने के लिए पर्याप्त निवेश नहीं कर रहे हैं। इसका खामियाजा लोगों को उठाना पड़ रहा है। साथ ही पर्यावरण भी प्रभावित हो रहा है। तीन दशक पहले जब पानी का निजीकरण किया गया, तब यह कहा गया था कि नई व्यवस्था में आम लोग जल प्रबंधन में भागीदार होंगे। लेकिन असल में पानी बड़े निवेशकों के मुनाफे का उद्योग बन गया। शोधकर्ताओं ने कहा है कि अब पानी पर स्वामित्व का जो ढांचा है, उसमें पारदर्शिता और जवाबदेही न्यूनतम है। तो साफ है, जब तक ये व्यवस्था प्राइवेट कंपनियों के हाथ में बनी रहेगी, वॉटर इंडस्ट्री की जवाबदेही तय करने की मांग कहीं नहीं पहुंचेगी। जाहिर है, अब दुनिया को ब्रिटेन के इस अनुभव से सीख लेने की जरूरत है।

भोपाल गैस त्रासदी : दर्द का लरजता दरिया

कोरोना वायरस के प्रभाव ने कमजोर फेफड़ों वाले भोपालियों को गहरी चोट पहुंचाई है। कोविड भले ही टल गया हो लेकिन आज भी गैस के शिकार लोगों के फेफड़ों पर इसका असर कम नहीं हो रहा है। सरकार के राहत शिविर, रोजगार योजनाएं और अस्पताल बंद हो चुके हैं। भले ही यहां के बड़े तालाब की लहरें दूर तक लहराती हों लेकिन लेगों के दिल में तो गैस से उपजे दर्द का ही दरिया लरजता है....

पंकज चतुर्वेदी

दो दिसम्बर को जब भोपाल में दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक त्रासदी की बरसी पर लोगों की आंखें नम थीं, नगर निगम उस तालाब से सिंघाड़े की फसल नष्ट कर रहा था, जो यूनियन कार्बाइड कारखाने की सीमा में बना है। हालांकि 2014 में ही सुप्रीम कोर्ट आदेश दे चुका था कि इस तालाब को लेकर यथास्थिति रहे। फिर भी यहां मौत की फसल बोई जाती रही। बताया गया है कि इस तालाब में कारखाने के जहरीले अपशिष्ट की 1.7 लाख टन मात्रा डुबोई गई थी। मामला अकेले इस तालाब का नहीं है। शहर की जमीन–हवा और पानी में इतना जहर जज्ब है कि यहां की पुश्तें इसका कुप्रभाव झेलेंगी। दुनिया की उस सर्वाधिक भयावह रासायनिक त्रासदी की याद से बदन सिहर उठता है, और पता नहीं यूनियन कार्बाइड कारखाने से रिसी गैस अभी और कितने दशकों तक लोगों की जान लेगी। बीते 38 सालों में गैस पीडिघ्तों की लड़ाई स्वास्थ्य के लिए गौण हो गई। आपराधिक मुकदमे की तो किसी को परवाह नहीं, भोपाल को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए पूरा खोद दिया गया है, लेकिन इसके सीने में दफन मिथाइल आईसोसाइनाइट और जहरीले रसायनों का जखीरा अभी भी लोगों को तिल–दर–तिल खोखला कर रहा है।

दो–तीन दिसम्बर, 1984 की रात भोपाल में अमेरिकी कारखाने यूनियन कार्बाइड से रिसी मिथाइल आईसो साईनाइड गैस ने लगभग चार हजार लोगों को सोते से उठने का मौका भी नहीं दिया। जो बच गए, भाग लिए, वे कई शारीरिक व मानसिक रोगों की गिरफ्त में आ गए। शहर के हवा–पानी में जहर घुला और आनुवांशिकी स्तर पर आने वाली पीढियों तक को खोखला कर गया। अनुमान है कि अभी तक गैस प्रभावित 20 हजार लोग दम तोड़ चुके हैं। मौत का सिलसिला जारी है, और औसतन हर हफ्ते पांच लोग उस जहर से मर रहे हैं। अभी तक इस बात के शोध सतत जारी हैं कि गैस का असर कब तक और कितनी पीढियों तक रहेगा। विभिन्न चिकित्सकों का यह भी कहना है कि उस रात मिक यानी मिथाइल आईसो साईनाइड के अलावा कई अन्य गैस भी रिसी थीं, तभी इतने विषम हालात बने। ये अन्य गैस कौन सी थीं, इसकी जांच अभी तक नहीं हो पाई है। कारखाने में पड़े कई टन जहरीले अपशिष्ट का निबटारा नहीं होना एक नई त्रासदी को जन्म दे रहा है। यहां आथरे डाय क्लोरो बैंजीन, कार्बन टेट्रा क्लोरेट, पारा आदि खुले में पड़ा है। कारखाने से निकले कचरे को तो इसके शुरू होने के साल 1969 से ही जमीन में दबाया जा रहा था और अब यही शहर की 42 कॉलोनियों के भूजल और जमीन पर बस गया है। यहां दो तरह का कचरा है, जो भोपाल की लाखों की आबादी को तिल–दर तिल मौत दे रहा है–एक तो गोदाम में पड़ा 340 मीट्रिक टन रसायन व अपशिष्ट और दूसरा कारखाना परिसर के 68 एकड़ में 21 गड्ढों में दफनाया गया अकूत जहरीला अवशेष। बारिश के साथ ये जहर भूमिगत जल में घुलते रहे हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टॉक्सॉलजी के वैज्ञानिकों ने कहा है कि कारखाने की करीबी कालोनियों में हैंडपंप के पानी से कैंसर व यकृत की खराबी होना तय है। इस कचरे के कारण यूनियन काबाइड के कई किमी. क्षेत्रफल के भूजल में डायक्लोरो बैंजीन, पलीन्यूक्लियर एरोमेटिक हाइड्रोकार्बन्स, मरकरी जैसे लगभग 20 रसायन घुल गए। इनके कारण फेफड़े, यकृत, गुर्दे के रोग हर घर में हुए। भारतीय विष विज्ञान शोध संस्थान की एक रिपोर्ट बताती है कि यूनियन कार्बाइड कारखाने के कचरे का सर्वाधिक और दूरगामी नुकसान आर्गनोक्लोरिन से हो रहा है। इसकी मात्रा भूजल के अधिकांश नमूनों में निर्धारित से कई सौ गुना अधिक मिली है। यह रसायन लंबे समय तक अपनी विषाक्तता बनाए रखता है, और इसके शरीर में जमा होने से मस्तिक, जिगर, गुर्दे के साथ–साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता, अंतरूस्त्राव, प्रजनन और अन्य तंत्रों पर पड़ता है। कोई 43 कोलोनियों में अब यह जहर हर घर में पहुंच गया है। एक बार सुप्रीम कोर्ट ने कहा तो कुछ बस्तियों में नल से पानी दिए जाने लगा लेकिन जब उस जल की जांच हुई तो पता चला कि 70 फीसदी जल नमूने में सीवर मिला था जिससे फीकल कोलीफर्म बैक्टीरिया तय मानकों से 2400 गुना अधिक हो गया। अंतरराट्रीय संस्था यूनेप का प्रस्ताव था कि भारत सरकार चाहे तो वह इस जहरीले कूड़े को हटा सकती है, लेकिन सरकार ने इस कार्य में किसी विदेशी एजेंसी के सहयेग से इंकार कर दिया। झीलों का शहर कहलाने वाले भोपाल में दर्द के दरिया की हिलौरें यहीं नहीं रुकी हैं, 68 फीसदी लोग ब्लड प्रेशर के शिकार हैं। युवाओं और महिलाओं में हार्ट अटैक का आंकड़ा आसमान की तरफ है। बढ़ते गुस्से, अधीरता का कारण मिक के खून में घुलने से हार्मोन में आए बदलाव को माना जा रहा है। शहर में छोटी–छोटी बातों पर खूनी जंग हो जाना मनोवैज्ञानिक बीमारी बन गया है। गैस के कारण शरीर काम नहीं कर रहा है, भौतिक सुखों की लालसा बढ़ी है, और आय न होने की कुंठा या धन कमाने के शॉर्ट–कट का भ्रम लोगों को जेल की ओर ले जा रहा है। यह भी सरकारी रिपोर्ट में दर्ज है कि हर साल आम लोगों की अपेक्षा गैस पीडिघ्तों की बीमारियों के कारण मौत का आंकड़ा 28 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सामान्य लोगों की अपेक्षा गैस पीडिघ्तों में बीमारियां 63 फीसदी अधिक होती हैं। कई शोधों में यह बात सामने आ चुकी है कि भोपाल में महिलाओं में असमय माहवारी और अत्यधिक रक्तस्त्राव की समस्या के साथ जन्म लेने वाले बच्चों की शारीरिक और मानसिक वृद्धि में रुकावट आम समस्या हो गई है। खांसी, सीने में दर्द, आंखों में जलन, हाथ–पैर में दर्द, आम हो गए हैं। बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है, जो कुछ मीटर चलने पर ही हांफने लगते हैं। कोरोना वायरस के प्रभाव ने कमजोर फैफड़ों वाले भोपालियों को गहरी चोट पहुंचाई है।

बुलडोजर से कुचली जा रही लोकतांत्रिक व्यवस्था

इस तरीके के कारण प्रशासनिक व्यवस्था को अनदेखा और अनसुना करना नुकसान होता है। कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी हैं जो उपयोग में आने वाले इन तरीकों से सहमत नहीं हैं। ऐसे कई पुलिसकर्मी हैं जो अभी भी नियम पुस्तिका के नियमों का सख्ती से पालन करते हुए पेशेवर जांच में गर्व करते हैं। फिर भी वे खामोश रहते हैं और भारत के लोकतांत्रिक स्वरूप तथा आम आदमी के ...

जगदीश रत्तनानी

प्रशासनिक व्यवस्था को अनदेखा और अनसुना करना नुकसान होता है। कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी हैं जो उपयोग में आने वाले इन तरीकों से सहमत नहीं हैं। ऐसे कई पुलिसकर्मी हैं जो अभी भी नियम पुस्तिका के नियमों का सख्ती से पालन करते हुए पेशेवर जांच में गर्व करते हैं। भूमि विवाद में एक याचिकाकर्ता के घर पर बुलडोजर चलाने के मामले में पटना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति संदीप कुमार की तीखी टिप्पणी भारतीय कानून–व्यवस्था मशीनरी के लगभग पूरी तरह से ध्वस्त होने को उजागर करती है तथा यह बताती है कि यह मशीनरी किस तरह सिर्फ शक्तिशाली और ताकतवर लोगों की सेवा करती है। टिप्पणी यह भी बताती है कि आम तौर पर जाना और स्वीकार किया जाता है कि कमजोर और पिरामिड के सबसे निचले हिस्से के लोगों की कोई आवाज नहीं है। यह भी सर्वविदित है कि सिस्टम भ्रष्ट है, लेकिन जस्टिस कुमार द्वारा उजागर किया गया मामला हमें बताता है कि हम एक गहरे गड्ढे में गिर गए हैं जहां से जल्दी बाहर आना मुश्किल होगा। यह उस बढ़ती बेशर्मी को उजागर करता है जिसके साथ शक्तिशाली हित काम करते हैं और उस उचित प्रक्रिया को नियमित रूप से कमजोर करते हैं जिसे बनाए रखने की वे शपथ लेते हैं। एक वीडियो क्लिप में जस्टिस कुमार की इस आशय की टिप्पणी वायरल हो रही है। इसमें जज ने कहा कि– श्आप भू–माफिया के एजेंट बन गए हैं। इसे रोका जाना चाहिए। कौन इतना शक्तिशाली है कि आपने बुलडोजर लिया और घर को ध्वस्त कर दिया? आप किसका प्रतिनिधित्व करते हैं– राज्य या कुछ निजी व्यक्तियों का?श अपने लिखित आदेश में 24 नवंबर को जस्टिस कुमार ने कहा, श्स्टेशन हाऊस ऑफिसर का जवाबी हलफनामा पढ़ने से ऐसा लगता है कि सभी अधिकारियों की कुछ भू–माफिया के साथ मिलीभगत है और उन्होंने कानून की उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना याचिकाकर्ता के घर को अवैध रूप से ध्वस्त कर दिया है।श उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के ये कड़े शब्द हैं जो यह बताते हैं कि माननीय न्यायाधीश इस मामले और उनके सामने मौजूद सामग्री को पढ़ने पर कितने परेशान थे। इन न्यायिक टिप्पणियों के लगभग एक हफ्ते बाद गुजरात विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार समाप्त होने के बाद श्रोताओं से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्हम उन लोगों के खिलाफ बुलडोजर का उपयोग करने में संकोच नहीं करते हैं जो योगी के शब्दों में श्पेशेवर दंगाईश्च हैं।श आदित्यनाथ प्रशासन में ही बुलडोजर पहली बार चुनिंदा लक्ष्यों के खिलाफ राज्य की पसंद का पहला हथियार बन गया जिससे पुलिस तथा स्थानीय प्रशासन के रोजमर्रा के मामलों में ताकत व हिंसा का एक नया स्तर सामने आया। जिन लोगों को श्पेशेवर दंगाइयोंश्च के रूप में वर्णित किया गया है उन्हें श्सबक सिखानेश का दिया यह निर्देश पूर्व धारणाओं, पूर्वाग्रहों और नफरत की राजनीति से भरा हुआ है जिसने कुल मिलाकर शासन को पहले से भी निम्न स्तर पर ला दिया है। उत्तर प्रदेश के मामले कितने भी खतरनाक क्यों न हों, बिहार में मामला उस तरह का नहीं है। बिहार का उदाहरण दिखाता है कि एक राज्य के खराब राजनीतिक नेतृत्व का निर्णय न केवल स्थानीय स्तर पर उस राज्य में गलत एजेंडों को नियमित करता है बल्कि उसे पूरे भारत में नागरिकों के खिलाफ एक नए स्तर की ताकत देने के लिए अपनाया और अनुकूलित किया जाता है। एक बार राजनीतिक नेतृत्व द्वारा स्वीकृत होने के बाद यह हथियार ऐसा शस्त्र बन जाता है जिसे सभी राज्यों के पुलिस बल राजनीतिक स्वामी के नियंत्रण में या उसके बिना भी भयमुक्त होकर चलाना शुरू कर देते हैं। इसका नतीजा एक तरह की हथियारों की दौड़ है जहां कानून और व्यवस्था के नाम पर आतंकित करने के लिए नए और अनोखे तरीकों का इस्तेमाल किया जाता है और अक्सर जिसका लक्ष्य कमजोर तथा दबे–कुचले लोग होते हैं, जबकि संपन्न लोग आम तौर पर बच जाते हैं। यह पतनशील भारत की तस्वीर है न कि आजादी के 75 साल बाद प्रगति कर रहे भारत की! देश की सर्वोच्च अदालत की चेतावनियां भी इस सड़ांध को रोकने में प्रभावशाली नहीं रहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के मामलों में चेतावनी दी थी कि जिन लोगों के खिलाफ सरकार कार्रवाई करना चाहती थी उन लोगों के आवासों को ध्वस्त करने के लिए अपनाई जानी वाली उचित प्रक्रिया के बदले शॉर्टकट न अपनाया जाए। फिर भी सिस्टम के लिए यह संदेश बना हुआ है कि बुलडोजर का उपयोग राज्य उन सभी लोगों को बेघर करने तथा निजी संपत्ति के अधिकार को छीनने करेगा बल्कि उनकी आजीविका भी छीन लेगा जो सरकार की नीतियों का विरोध करते हैं और जिन्हें राज्य आसानी से श्दंगाइयोंश के रूप में वर्णित कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा ओल्गा टेलिस बनाम बॉम्बे नगर निगम तथा अन्य के मामले में मुंबई में झुग्गी कॉलोनियों के विध्वंस के मामले में सिद्धांत निर्धारित करने के 37 साल बाद भी एक राष्ट्र के लिए यहां तक पहुंचना एक बड़ी गिरावट है। 10 जुलाई 1985 के उक्त फैसले में कहा गया था– श्फुटपाथ या झुग्गी खोना नौकरी गंवाना है। इसलिए संवैधानिक शब्दावली के संदर्भ में निष्कर्ष यह है कि याचिकाकर्ताओं की बेदखली से वे उनकी आजीविका से वंचित हो जाएंगे और परिणामस्वरूप जीवन के अधिकार से वंचित हो जाएंगे।श उस मामले में अदालत ने स्पष्ट रूप से एक घर के अधिकार को आजीविका के अधिकार और जीवन के अधिकार से जोड़ा है। यह मामला मुंबई की अर्थव्यवस्था में छोटे–मोटे काम करने वाले प्रवासी श्रमिकों द्वारा सार्वजनिक भूमि पर कथित अतिक्रमण तथा अवैध कब्जे को ध्वस्त करने से संबंधित है, पर वर्तमान मामले वास्तविक मालिकों के लंबे समय से स्वामित्व तथा कब्जे वाले घरों से संबंधित हैं जो कथित उल्लंघन या विवादों के बहाने वास्तव में ध्वस्त किए जा रहे हैं जैसा कि बिहार के मामले में है। जिस तरह से राज्य की हिंसा और सजा के औजार के रूप में बुलडोजर को अब आम किया जा रहा है वह अवैध मुठभेड़ में की गई हत्याओं के समान है जिसे अब देश भर में पुलिस बलों द्वारा अपना लिया गया है। गैंगस्टरों द्वारा की जा रही हिंसा को नियंत्रित करने के लिए एक सीमित पद्धति के रूप में शुरू हुआ यह काम जल्दी से एक मानक प्रक्रिया में बदल गया जिसे स्थानीय कानून और व्यवस्था ने आसानी से अपना लिया और वे बिना सजा के घूम रहे हैं। एकाध बार कुछ पुलिसकर्मियों को अदालतों का सामना करना पड़ेगा लेकिन सामान्य तौर पर ठंडे दिमाग से की गई हत्याएं कानून और व्यवस्था का प्रबंधन करने का एक नियमित तरीका बन गई है।

डीएम की अध्यक्षता में कृषकों एवं संबंधित एफपीओ के साथ की समीक्षा बैठक

सीतापुर। जिलाधिकारी अनुज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मेंथा उत्पादन करने वाले कृषकों एवं सम्बन्धित एफ0पी0ओ0 के साथ समीक्षा बैठक सम्पन्न हुयी। जिलाधिकारी ने बैठक में विभिन्न प्रकार की फसलों की खेती कर रहे कृषकों से उनकी फसलों की उत्पादकता एवं गुणवक्ता की जानकारी करते हुये खेती में आ रही समस्याओं को सुन उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया। उन्होंनें कहा कि कृषि में शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति कर सीतापुर जनपद को अग्रसर करना हैं। उन्होनें पिपरमेण्ट की खेती पर जोर देते हुये कहा कि पिपरमेण्ट का क्रिस्टिल एवं लिक्विड प्लांट बनता है। पिपरमेण्ट की मुम्बई व अन्य बड़े शहरों में बड़ी मांग है। उन्होंनें पिपरमेण्ट का प्लांट जनपद सीतापुर में लगाने पर जोर देते हुये कहा कि इसके प्लांट को लगाने में बैंक लोन के साथ साथ आने वाली अन्य समस्याओं का त्वरित निदान भी जिला प्रशासन द्वारा प्राथमिकता पर किया जायेगा। इसकी उत्पादकता को बढ़ाने में हर सम्भव प्रयास कर सहयोग प्रदान किया जायेगा। उन्होंने बताया कि मेंथा का उत्पादन बाराबंकी, लखनऊ व सीतापुर में होता किन्तु इस प्रकार का भारी प्लांट बहुत कम जगह पर स्थापित है लेकिन महाराष्ट्र में इसके कई प्लांट है। उन्होंनें कहा कि जो कृषक इस प्रकार का प्लांट लगाने में इच्छुक है, हम उनको चिन्हित करते हुये महाराष्ट्र के प्लांट में एक विजिट करायेगें और अगर आवश्यकता पड़ी तो वहां इस तरह के प्लांट से जुडे लोंगों को यहां के कृषकों को इस सम्बन्ध में जानकारी देने हेतु यहां बुलायेगें ताकि पिपरमेण्ट का प्लांट यहां आसानी से स्थापित कर यहां इसकी उत्पादकता अधिक से अधिक बढ़ाई जा सके व यहां के कृषकों का अधिकाधिक अर्थिक लाभ एवं विकास किया जा सकें। उन्होंनें कृषकों से कहा कि जो भी प्रोजेक्ट बनाये उसे एक बार साझा किया जाये। उन्होंनें कहा कि कुछ तेल जैसे आरंडी का तेल, इस पर भी हम लोग काम कर सकते है। आरंडी तेल का सीतापुर में हब बन सकता है। इस तेल का सीतापुर में यूनिट लगाये जाने हेतु जोर देते हुये उन्होंनें कहा कि इसमें अगर मैन पावर की अवश्यकता हो तो हम समूह की महिलाओं आदि को इसमें जोड़ सकते है। इसमें प्रारभिंक स्तर से धनराशि लगाने कि आवश्यकता है व इसके ब्रांड की मार्केटिंग की जाये। उन्होंनें सूखे मेवे व सरसों के तेल की खेती पर भी जोर देते हुये इसका प्रोजेक्ट बनाये जाने हेतु संबंधित को कहा। जिससे हम लोग कृषि उद्योग को और आगे बढ़ा सके। उन्होंनें कृषि कार्यो में आ रही बिजली संबंधी समस्याओं के निस्तारण का आवश्वासन भी संबंधित कृषकों को दिया। उन्होंनें कहा कि कृषि संबंधी कोई भी शिकायत व समस्या हो तों उसे डी0एच0ओ0 के यहां दर्ज करा सकते है व कृषि संबंधी शिकायतों का निस्तारण किसान दिवस में भी किया जायेगा। बैठक में डी0एच0ओ0 सौरभ श्रीवास्तव सहित संबंधित अधिकारी व किसान बन्धु उपस्थित रहें।

मुख्यमंत्री जनसुनवाई पर शिकायत दर्ज कर लगाया आरोप

मिश्रित (सीतापुर)। विकासखंड मिश्रित की ग्राम पंचायत लश्करपुर के मजरा ठाकुर नगर निवासी रामजीवन पुत्र रामकिशोर ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल शिकायत संख्या 40015422072512 पर शिकायत दर्ज कराकर आरोप लगाया है कि ग्राम पंचायत बहुती की पूर्व प्रधान मुन्नी देवी व प्रधान प्रति निधि सुरेश कुमार पुत्र टीकाराम से उसने पंचायत भवन निर्मित कराने का ठेका लिया था। जिसमें उन्होंने 2 लाख 25 हजार रुपए नगद दे दिया था। तथा 75 हजार रुपये शटरिंग के दे दिए थे। परंतु कार्य पूर्ण हुए काफी समय हो चुका है। शेष 2 लाख रुपये देने बकाया रह गए हैं। वह देने में टाल मटोल कर रहे हैं। जिससे उसने 12 मजदूरों का पैसा अपने घर का जेवर बेंच कर दिया है।

शिकायतकर्ता ने मामले में ग्राम पंचायत सचिव अमित चतुर्वेदी पर भी धमकाने का आरोप लगाया है। जबकि अमित चतुर्वेदी का कहना है कि मजदूरी की जो मांग की जा रही है। वह पूरी तरह से नाजायज है। प्रांकलन बोर्ड के अनुसार निर्मित हुए भवन का श्रमांश 1 लाख 10 हजार रुपए का भुगतान किया गया है। जबकि शिकायतकर्ता कह रहा है कि उसको 3 लाख रुपए प्राप्त हो चुके हैं। जिससे शिकायतकर्ता का आरोप निराधार साबित हो रहा है। शिकायतकर्ता ने अपने शिकायती पत्र में कहीं यह उल्लेख नहीं किया है कि पंचायत सचिव ने उसको किस स्थान पर किस दिनांक को धमकी दी है यह तथ्य भी प्रकाश में नहीं है। जबकि ग्राम पंचायत बहुती में वर्तमान समय कोई अन्य पंचायत सचिव है। जून मांह से हमारा स्थानांतरण हो चुका है तो भुगतान से क्या लेना देना है। यह शिकायत भी व्देश भावना को प्रदर्शित करती है।

डिप्टी सी.एम व स्वास्थ्य मंत्री के गृह जनपद में बदहाल स्वास्थ्य सेवाएं

हरदोई जिले के मेडिकल कॉलेज में दवाइयों का टोटा

हरदोई। केंद्र की मोदी सरकार से लेकर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए हर जिले में मेडिकल कॉलेज और दवाइयां उपलब्ध कराने को लेकर जहां लगातार काम कर रही है।और करोड़ों रुपए का बजट आवंटित कर गरीबों को अच्छा सस्ता इलाज देने का वादा भी किया जा रहा है।सरकार की तरफ से लेकिन जिम्मेदार सरकार के अरमानों पर पानी फेरने में कोई कसर छोड़ना नहीं चाहते जिसका जीता जागता उदाहरण है हरदोई जनपद का मेडिकल कॉलेज। मिली जानकारी के अनुसार हरदोई जनपद जहां प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक जो कि वर्तमान में स्वास्थ्य मंत्री भी हैं उनके जनपद के जब हालात है तो अन्य जनपदों में स्वास्थ्य सेवाओं की क्या हालात होंगे यह समझना जरूरी है। आपको बताते चलें जनपद में जिला चिकित्सालय को समाप्त कर उसके स्थान पर नए मेडिकल कॉलेज का निर्माण सरकार के द्वारा कराया जा रहा है। लेकिन मेडिकल कॉलेज में अवस्थाएं इस कदर हावी है। कि यहां इलाज के नाम पर लूट घसोट कमीशन खोरी दलाली अनवरत जारी है। जिम्मेदारों के यह हालात है कि वह अपनी जिम्मेदारी एक दूसरे पर डालते नजर आ रहे हैं।इस पूरे मामले पर सी. एम.एस. से बात करने पर उनका कहना है। कि ना हीं हमारे पास बजट है। और ना ही कोई पावर जिसके चलते हम बाहर से लिखी जा रही दवाइयों पर रोक लगा सके। वही इस पूरे मामले पर फोन से संपर्क करने पर मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य वाणी गुप्ता से बात की गई तो उनका कहना है। पूरे प्रकरण की जानकारी सीएमएस जे एन तिवारी देंगे जबकि जे एन तिवारी अपना पल्ला झाड़ते नजर आये इस मामले में प्राचार्य से जवाब मांगने की बात कर रहे हैं। इधर जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते सरकार की योजनाओं का लाभ मरीजों को नहीं मिल रहा है।और वहीं इनकी लापरवाही व खाउ कमाऊ नीति के चलते आम जनमानस परेशान है।और मेडिकल कॉलेज की कार्यशैली पर लगातार सवालिया निशान उठा रहा है। सरकार के वादों की पोल खोलती यह तस्वीरें यह बताने के लिए काफी है।उनकी लाख कोशिशों के बावजूद स्वास्थ्य महकमे के जिम्मेदार सरकार की योजनाओं को पलीता लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। अब यह देखना होगा इन सबके बावजूद सरकार की तरफ से इन जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई की जाती है।जिससे भविष्य में आम जनमानस को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सके।

सड़क हादसे में घायल युवक के लिए नेशनल हाईवे की टीम बनी फरिश्ता, पहुंचाया अस्पताल

सिधौली (सीतापुर)। सड़क हादसे में घायल एक युवक के लिए नेशनल हाईवे की टीम फरिश्ता बनकर सामने आई। सड़क हादसे में घायल युवक को नेशनल हाईवे की टीम ने इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। बताते हैं कि एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल सवार एक युवक को जोरदार टक्कर मार दी थी। जिसे गंभीर रूप से घायल हो गया था गश्त कर रही नेशनल हाईवे की टीम ने उसे सड़क पर पड़ा हुआ देखा तो उसे उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली में भर्ती कराया। संदीप 24 पुत्र रामपाल निवासी चौड़िया पुरवा थाना सिधौली अपनी मोटरसाइकिल से सीतापुर की ओर गया था। सीतापुर से अपने घर की ओर जा रहा था तभी नेशनल हाईवे पर सिंहपुर के निकट लखनऊ की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल हो गया नेशनल हाईवे की टीम ने उसे इलाज के लिए सामुदायिक जहां पर उसका इलाज किया गया। वहीं चिकित्सकों ने इसकी सूचना उसके परिजनों को भी देती है।

दबंगों ने सरकारी चकरोड पर जमाया कब्जा

पाली,हरदोई।क्षेत्र के एक गांव में दबंगों द्वारा सरकारी चकरोड की जमीन पर कब्जा जमाने से ग्रामीणों को भारी असुविधा हो रही है इस मामले मे पुलिस को एक प्रार्थना पत्र दिया गया है।पाली थाना क्षेत्र के रामापुर मिश्र निवासी मनोज कुमार के मुताबिक गांव निवासी रामकरण, अवनेश सिंह, व मनेशराम पर सरकारी चकरोड की जमीन पर कब्जा जमाने का आरोप लगाते हुए बताया कि उपरोक्त लोगों ने चकरोड को काटकर अपने खेत में मिला लिया जिससे ग्रामीणों को अपने खेत तक ट्रैक्टर ट्राली बैलगाड़ी आदि लाने ले जाने में भारी परेशानी हो रही है इस संबंध में जब कार्यवाहक थाना अध्यक्ष विजय प्रताप से बात की गई तो उन्होंने बताया की प्रार्थना दिया गया है पुलिस अपने स्तर से जांच कर रही है।

कलयुगी मां करतूत, नवजात को फेंका कूड़े के ढेर में

हरदोई।चौकी क्षेत्र गोपामऊ नगर के मोहल्ला बंजारा में बजरिया वाली चक्की खंडहर के पास कूड़े में एक नवजात बच्ची खून में लथपथ पड़ी मिली जिसको किसी अज्ञात द्वारा फेंक दिया गया जो चर्चा का विषय बना हुआ है लोग तरह तरह की बाते कर रहे हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्ची को मोहल्ला बंजारा निवासी जहीर खां कंडक्टर का पुत्र सुबह बकरी लेकर उधर आया तो उसने कूड़े में एक नवजात को पड़ा देखा तो तुरंत घर वालों को इसकी सूचना दी।सूचना पाते ही जहीर की पत्नी रोशन जहां ने मौके पर पहुंचकर बच्ची को उठाकर साफ सफाई की तथा नवजात की स्वयं लालन पालन करने का जिम्मा लिया है। चौकी इंचार्ज कैलाश सिंह ने बताया कि किसी अज्ञात वायक्ति का अपराधिक कृत है इस अवस्था में मासूम को फेंकना मानवता को शर्मसार करता है।बच्ची के पालन पोषण हेतु रोशन जहां के सुपुर्दगी में दे दिया गया है। चेयरमैन प्रतिनिधि नौशाद नदवी ने बच्ची को कपड़े और अन्य आवश्यक सामान दिया। सी एच सी अधीक्षक डाक्टर राजीव रंजन ने कहा है नवजात को किसी प्रकार की समस्या होती है,तो स्वास्थ केंद्र में इलाज किया जाएगा सभी टीके समयानुसार लगाए जायेंगे। इस मौके पर कांस्टेबल हरवेंद्र गिरी, सभासद शमसुल खान सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

श्रीमद्भागवत गीता विश्व का सर्वाधिक प्रसिद्ध एवं सम्मानीय ग्रंथः रजनीकान्त श्रीवास्तव

सीतापुर। श्रीमद्भागवत गीता विश्व का सर्वाधिक प्रसिद्ध एवं सम्माननीय ग्रंथ है। हमें इसका अनुशीलन करना चाहिए। यह वक्तव्य आरएमपी पीजी महाविद्यालय के राम मनोहर लोहिया सभागार में गीता जयंती के अवसर पर विगत 3 दिसंबर से चल रहे संस्कृत उत्सव 2022 के समापन समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य एवं समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर रजनीकांत श्रीवास्तव ने कही। कार्यक्रम की संयोजिका एवं संचालिका संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ शालिनी साहनी ने कहा श्रीमद्भागवत गीता संपूर्ण उपनिषदों का सार है। गीता मानव जीवन का प्रबंधन करने में समर्थ है और हमें गीता का वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पुनर्पाठ करना होगा। इस संस्कृत उत्सव में विगत एक हफ्ते में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिसमें श्लोकवाचन, संस्कृत गीत एवं स्तोत्र गायन, सूक्ति लेखन, श्रुतलेख, आशु भाषण, चित्रकला, पोस्टर प्रतियोगिता, साहित्य प्रश्नोत्तरी आदि आयोजित किए गये। संस्कृत उत्सव कार्यक्रम के समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के सभी विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया एवं पुरस्कार दिया गया। समापन सत्र का विशेष आकर्षण रहा। अभिज्ञान शाकुंतलम् नाटक का मंचन जिसे महाविद्यालय के प्रथम सेमेस्टर एवं तृतीय सेमेस्टर के बच्चों ने मंचित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं छात्र छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज के सिक्योरिटी गार्ड अफसर कर रहे मरीजों से मारपीट

मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

हरदोई। मेडिकल कॉलेज के अधीन आने वाले महिला अस्पताल में गार्डों की अभद्रता सामने आई है। जिसमें सिक्योरिटी गार्ड पिटाई के साथ एक युवक से अभद्रता करते नजर आ रहे है। बावन से सुलभ मिश्रा नाम का युवक अपनी भाभी को दवा दिलाने महिला अस्पताल आया था। इसी दौरान किसी बात को लेकर उग्र सिक्योरिटी गार्डों ने जमकर अभद्रता की है। युवक चिल्लाता रहा कि मेरी गलती क्या है लेकिन सिक्योरिटी गार्ड उसे पीटते रहे। जिसका वीडियो वायरल होने के बाद सिक्योरिटी गार्डों के आतंक की चर्चा आम है।मेडिकल कॉलेज के अधीन आने वाले महिला अस्पताल में सिक्योरिटी गार्डों की गुंडई देखने को मिली है। जिसमें गार्डों ने एक युवक की पिटाई करते हुए अभद्रता की है। युवक चिल्लाता रहा कि मेरी क्या गलती है लेकिन सिक्योरिटी गार्डों ने उसकी एक ना सुनी। इस दौरान सिक्योरिटी गार्डों ने युवक के साथ हाथापाई की है।बावन के सुलभ मिश्रा ने बताया कि वह भाभी को दवा दिलाने महिला अस्पताल आया था। गाड़ी साइड में खड़ी कर दी तो चौकीदार कहने लगे और साइड में लगा दो। जिस पर उसने कहा ठीक है इस पर गार्ड अभद्रता करने लगे और उससे हाथापाई कर दी। जिसमें युवक के मारपीट में चोट भी आई है। गार्ड की अभद्रता का वीडियो वायरल होने के बाद लोगों में आतंक की चर्चा आम है।स्थानीय लोगों का कहना है कि जबसे महिला और पुरुष अस्पताल मेडिकल कॉलेज के अधीन आया है। तब से प्रिंसिपल की तानाशाही आम है और प्रिंसिपल के इशारे पर सिक्योरिटी गार्ड मरीज व तीमारदारों से अभद्रता करते है। जिस दौरान उनसे मारपीट की भी नौबत आ जाती है। हालांकि इस समय मेडिकल कॉलेज में तैनात सिक्योरिटी गार्डों की तानाशाही किसी से छिपी नहीं है। वह किसी मरीज और तीमारदार को बिना पड़ताल किए अंदर घुसने भी नहीं देते है।

चुनावी रंजिश के चलते दबंगों ने एक व्यक्ति की पिटाई की

सिधौली (सीतापुर)। क्षेत्र के रामपुर टेढ़वा में बीती देर रात चुनावी रंजिश के चलते दबंगों ने शराब के नशे में एक व्यक्ति को पिटाई कर दी। बचाव में आई एक महिला को चोट पहुंचाई। जिन्हें सीएचसी में भर्ती किया गया। पीड़ित के भतीजे ने अटरिया थाना में तहरीर दी है। पीड़ित के भतीजे दिनेश कुमार पुत्र राकेश कुमार निवासी रामपुर टंडवा थाना अटरिया ने प्रार्थना पत्र में बताया है। गांव के ही विपक्षी प्रेम, सुरेश, मनीष, रोशन पुत्रगण स्व कुनई शराब के नशे में उसके घर के दरवाजे पर आए और भद्दी भद्दी गालियां बकने लगे। जब उनके चाचा राजेश पुत्र किशन इसका विरोध किया तो दबंग विपक्षियों ने उन्हें जमकर पीट दिया। बचाव करने आई चाची संगीता पत्नी रिशु को भी विरोधियों ने पीटा। जब गांव वाले बचाने के लिए तब दबंग गालियां देते हैं और धमकी देते हुए भाग गये। घायल हालत में दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य सिधौली लाया गया। जहां पर उनका इलाज किया गया। पीड़ितों द्वारा अटरिया थाना में लिखित प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई गई है।

खंड विकास आधिकारी की अध्यक्षता में संगोष्ठी का आयोजन संपन्न

बघौली हरदोई।अहिरोरी ब्लाक मे खंड विकास अधिकारी बृजेश कुमार मिश्र, की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी ने बताया कि स्कूल को अच्छे ढंग से चलाने के लिए स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के माता–पिता खासकर माताओं व स्कूल केअध्यापकों से मिलकर एक समिति गठन की जाती है जिसे विद्यालय प्रबंधन समिति कहते हैं, यह आरटीआई 2009 यानी बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 के तहत अनिवार्य है, इसके उद्देश्य विद्यालय के कामकाज की निगरानी करना, विद्यालय विकास योजना तैयार करना और उसकी सिफारिश करना, सरकार से प्राप्त अनुदान के उपयोग की निगरानी करना एवं ऐसे अन्य कार्य करना जो निर्धारित किए जा सकते हैं, इस समिति में कुल 15 सदस्य होते हैं जिसमें 11 अभिभावक सदस्यों में 50: महिलाओं का प्रतिनिधित्व, सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व, यदि गांव के कई मजरे हैं तो सभी मजदूरों का प्रतिनिधित्व और संभवत सभी कक्षाओं का प्रतिनिधित्व हो, इसमें ए एनएम,लेखपाल या ग्रामसभा का कोई भी निर्वाचित सदस्य, इस समिति का गठन प्रति 2 वर्ष बाद होता है, समिति के कार्य,,,, विद्यालय के आसपास पड़ोस में रहने वाली आबादी को बाल अधिकारों की सामान्य एवं रचनात्मक तरीकों से जानकारी देना तथा साथ ही राज्य सरकार स्थानीय प्राधिकारी विद्यालय माता–पिता अभिभावक एवं संरक्षक के कर्तव्यों की जानकारी देना, समिति विद्यालयों में नियुक्त अध्यापकों के विद्यालय में उपस्थित होने में नियमित एवं समय पालन, माता–पिता एवं संरक्षको के साथ नियमित बैठ के करना और छात्रों के बारे में उपस्थिति में नियमितता, शिक्षा ग्रहण करने का सामर्थ्य, शिक्षण में की गई प्रगति और किसी अन्य सुसंगत जानकारी के बारे में अवगत कराना तथा शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा प्राइवेट ट्यूशन नहीं करना सुनिश्चित करेगी।

अपर जिला जज ने कारागार की व्यवस्थाओं का लिया जायजा दिए आवश्यक दिशा निर्देश

हरदोई।अपर जिला जज ६ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई सुधाकर दुबे ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई राज कुमार सिंह के सरंक्षण एवं अनुमति से एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई के तत्वाधान में आज दिनांक 09ध12ध 2022 को जिला कारागार हरदोई का निरीक्षण किया गया। अपर जिला जज द्वारा बैरक में बन्दियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकरी प्राप्त की गई । अपर जिला जज द्वारा पाकशाला का निरीक्षण कर भोजन की गुणवक्ता व साफ–सफाई का जायजा लिया तत्पश्चात बन्दियों से उनके निःशुल्क अधिवक्ता के बारे में भी जानकारी ली।किशोर बैरक में किशोर बन्दियों से उनकी पढ़ाई व कौशल विकास से सम्बंधित प्रशिक्षण के बारे में भी पूछताछ की और उनको आपस मे भाई–चारे का व्यवहार करने हेतु प्रेरित किया गया।अपर जिला जज द्वारा कारागार के चिकित्सालय में रोगियों से उनके उपचार के विषय मे कारागार के चिकित्सक से जानकारी ली गई तथा जेल प्रशासन को निर्देशित किया गया कि किसी भी बंदी के बीमार होने पर तुरंत उपचार की व्यवस्था की जाए था जिन बंदियों के पास उनके अधिवक्ता नही है उनको निःशुल्क अधिवक्ता दिलाने हेतु प्रार्थना–पत्र जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में प्रेषित करें। इस अवसर पर जेलर संजय कुमार सिंह,डिप्टी जेलर विजय लक्ष्मी, उमाशंकर तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के लिपिक अभिषेक अवस्थी ,जिला कारागार के परावधिक स्वयं सेवकआदि उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा अभियान के तहत जागरुकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

सेवता (सीतापुर)। विकासखण्ड के जगत माध्यमिक विद्यालय मल्लापुर और प्राथमिक विद्यालय कटरा में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सड़क सुरक्षा अभियान के तहत .... को जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य विवेक कुमार शुक्ला ने छात्र–छात्राओं एवं अध्यापकों को यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाई। प्रधानाचार्य ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करने का दायित्व प्रत्येक नागरिक का है। शपथ ग्रहण विद्यार्थियों की प्रतिबद्धता को बढ़ाता है। किसी शपथ को लेना हमारी संस्कृति का हिस्सा है। ऐसे कार्यक्रमों से लोगों में जागरुकता आती है। प्रधानाचार्य ने कहा कि सड़क दुर्घटना एक परिवार का नहीं पूरे राष्ट्र के मानव संसाधन का नुकसान करती है। बाइक चलाते समय हेलमेट लगाने और मोबाइल का प्रयोग न करने का अपील की। इस मौके पर प्रधानाचार्य विवेक कुमार शुक्ला, संजीव मिश्रा, मोहित शुक्ला, रविकांत वर्मा, राजेश कुमार, अनुचर के अलावा छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

एसडीएम की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन

मिश्रिख (सीतापुर)। तहसील के सभागार में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित बैठक में नगर निकाय एवं ग्राम पंचायतों पर स्थित स्थाई गौ आश्रय स्थलों के संचालन हेतु समिति का गठन किया गया। इस समिति के अध्यक्ष उपजिलाधिकारी, सदस्य पुलिस अधीक्षक, सदस्य सचिव उपमुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी, सदस्य समस्त खंड विकास अधिकारी, सदस्य तहसीलदार, सदस्य समस्त नायब तहसीलदार, सदस्य समस्त नगर निकाय अधिशासी अधिकारी, सदस्य वन विभाग के क्षेत्राधिकारी, सदस्य उप संभागीय अधिकारी कृषि प्रसार को समिति के संचालन हेतु नामित किया गया है। आयोजित बैठक में गौ आश्रय स्थलों में व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बेसहारा सड़कों पर घूम रहे गोवंशों को संरक्षित करने की समीक्षा की गई। शीत ऋतु में गौ वंशों की सुरक्षा हेतु निर्देश दिए गये। नए प्रस्तावित गौ आश्रय स्थलों की प्रगत समीक्षा की गई। गौ वंशों के भरण पोषण हेतु प्रदत्त धनराशि एवं उपयोग की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री सहभागिता एवं पोषण योजना की समीक्षा की गई। प्रतिबंधित रेजर वायर की रोकथाम हेतु समीक्षा की गई। इस समीक्षा बैठक के दौरान अन्य कई बिंदुओं पर भी चर्चा करके उपजिलाधिकारी ने सभी को निर्देशित किया।

स्टेट जीएसटी टीम के छापे में बीस लाख रुपये का मिला था अंतर

सलेमपुर। स्टेट जीएसटी टीम ने एक दिन पूर्व नगर के पूर्वी इचौना वार्ड स्थित एक कपड़ा व्यवसायी के गोदाम व दुकान पर छापा मारा था। विभाग ने देर शाम तक दुकान व गोदाम के स्टॉक की जांच की। इसमें तकरीबन दो लाख रुपये का अंतर मिला। मामले को गंभीरता से लेते हुए अफसरों ने तत्काल प्रभाव से चार्ज के तौर पर दो लाख रुपये ऑनलाइन जमा कराए। हालांकि, अभी इस प्रतिष्ठान की जांच टीम द्वारा गोपनीय स्तर से कराई जा रही है। नगर स्थित रेयाज साड़ी सेंटर व इससे संबंधित दो गोदामों पर सुबह सहायक आयुक्त जयंत कुमार सिंह, अमित कुमार सिंह, मनमोहन वर्मा के नेतृत्व में राज्य कर अधिकारी सुधीर कुमार, मयंक कुमार, रुद्रेश कुमार चौबे की टीम ने छापा मारा था। जांच के दौरान स्टॉक में बीस लाख रुपये का अंतर पाया गया। सहायक आयुक्त अमित कुमार सिंह ने बताया कि कपड़े की दुकान में प्रदेश व्यापी अभियान के तहत छापा मारा गया था। दुकान में स्टॉक मिलान में ज्यादा अनियमितता के अलावा बीस लाख रुपये का अंतर पाया गया। दुकानदार से चार्ज के तौर पर दो लाख रुपये ऑनलाइन जमा कराया गया है। अभी इस मामले में जांच चल रही है। इसमें पैसा बढ़ भी सकता है।

दूसरे दिन भी दुकानें रहीं बंद

देसही देवरिया। क्षेत्र में स्टेट जीएसटी टीम आने की सूचना पर चौराहे की दुकानें बंद रहीं। शाम को ही कुछ दुकानें खुलीं। इससे ग्राहकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। देसही देवरिया क्षेत्र में लगातार दूसरे दिन भी टीम के आने की सूचना पर दुकानदारों के बीच खलबली रही। इसके बाद हेतिमपुर, बरवां मीरछापर, आनंदनगर, नौतन हथियागढ़, मुसहरी, भटनी दादन, रामपुर गौनरिया आदि चौराहों पर दुकानें धड़ाधड़ बंद हो गईं। दुकानदार अपनी–अपनी दुकानों का शटर बंद कर इधर–उधर हट गए। वहीं, महुआडीह क्षेत्र में दूसरे दिन भी ऐसा ही माहौल देखने को मिला। महुआडीह, बलटिकरा, पांडेयचक, सेखौना, हरैया बसंतपुर, लक्ष्मीपुर आदि चौराहों पर दुकानें बंद होने से सन्नाटा छाया रहा। इससे लग्न के माहौल में खरीदारी करने आए ग्राहकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ज्यादातर दुकानें कपड़े, रेडीमेड, ज्वेलरी व दवा की दुकानें बंद रहीं। कुछ चौराहों पर शाम को दुकानें खुल गईं। वहीं जांच को लेकर दुकानदारों के बीच नाराजगी भी दिखाई दी। लॉकडाउन जैसा बना माहौलः जीएसटी टीम आने की सूचना क्षेत्र के दुकानदारों के बीच तेजी से फैल गई। इससे चारों तरफ दुकानें बंद कर दी गईं। चौराहों पर छाए सन्नाटों से लॉकडाउन की यादें एक बार फिर ताजी हो गईं। यहां तक कि जीएसटी देने वाले दुकानदार भी भय के चलते अपनी दुकानें नहीं खोले।

बरहज में धड़ाधड़ बंद हो गईं दुकानें

बरहज। नगर क्षेत्र में .जीएसटी टीम आने की सूचना वायरल हो गई। जानकारी होने पर दुकानदार अपनी दुकानों के शटर धड़ाधड़ गिराने लगे। मौका देख खिसक भी लिए। पूरे दिन दुकानों के बंद होने के कारण जरूरत के सामान की खरीदारी को लेकर आए लोग हलकान रहे। सलेमपुर में हुई छापेमारी के बाद स्टेट जीएसटी टीम के बरहज पहुंचने की सूचना फैल गई। दुकानदार प्रतिष्ठानों के शटर गिराने लगे। नगर के ब्लॉक, तहसील, नगरपालिका और थाना मार्ग की दुकानें 11 बजे से बंद हो गईं थीं। भलुअनी, बरांव करुअना, गड़ेर, कपरवार सहित अन्य जगहों पर भी स्टेट जीएसटी टीम द्वारा छापेमारी किए जाने की सूचना पर दुकानें बंद रहीं। इस संबंध में एसडीएम गजेंद्र सिंह ने बताया कि जीएसटी टीम के आने की कोई सूचना नहीं मिली है। फिलहाल, प्रदेश में व्यापक अभियान के तहत छापेमारी की जा रही है। ताकि लोग वैधानिक तरीके से दुकानें चला सकें।

जीएसटी जांच के खौफ से दो दिन से बंद हैं दुकानें

रुद्रपुरध्पकड़ी बाजार। स्टेट जीएसटी की जांच के खौफ से दो दिन से नगर सहित क्षेत्र के दुकानदारों ने दुकानें बंद रखी हैं। दुकानों के बंद होने से यापारी और दुकानदार परेशान रहे। नगर के व्यापारियों ने एमएलसी डॉ. रतनपाल सिंह को पत्रक देकर जीएसटी के अधिकारियों पर जांच के नाम पर उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है दोपहर बाद नगर में जीएसटी बिल की जांच को लेकर छापामारी की खबर फैलते ही दुकानदारों ने दुकानें बंद कर दीं। रामलक्षन, एकौना, पचलड़ी, मदनपुर, पकड़ी बाजार चौराहे पर दुकानें बंद हो गईं। दूसरे दिन भी दुकान बंद होने से दुकानदार परेशान दिखे। व्यापार मंडल अध्यक्ष श्यामजी जायसवाल, गोपाल गुप्ता, जयराम पासवान, जयरतन चौरसिया, रमेश गुप्ता, तेज प्रताप गुप्ता, अनिल पांडेय, गंगा गुप्ता, सागर मोदनवाल ने एमएलसी से मिलकर बताया कि जीएसटी अधिकारियों द्वारा सर्वे के नाम पर उत्पीड़न किया जा रहा है। जनप्रतिनिधि ऐसे मामलों को मुख्यमंत्री के संज्ञान में तत्काल पहुंचाएं। उन्होंने सर्वे के नाम पर उत्पीड़न बंद नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

जीएसटी छापा को लेकर सलेमपुर के व्यापारियों ने किया प्रदर्शन

सलेमपुर। नगर में स्टेट जीएसटी टीम की छापेमारी से व्यापारियों में आक्रोश है। इसको लेकर व्यापारियों ने .... प्रदर्शन कर विरोध जताया। नगर की दुकानें बंद रहीं। व्यापारियों ने एसडीएम व डीएम को अलग–अलग ज्ञापन देकर व्यापारियों का उत्पीड़न बंद करने को कहा है। ऐसा नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। वहीं, दुकानें बंद रहने से शादी के लिए खरीदारी करने आए लोगों को भटकना पड़ा। एसडीएम अरुण कुमार के आश्वासन पर दोपहर बाद दुकानें खुलीं।

जीएसटी को लेकर नगर के एक प्रतिष्ठित कपड़े की दुकान में बृहस्पतिवार को छापा मारा गया। इसके बाद से नगर के व्यापारी आक्रोशित हैं। व्यापारियों ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा संपूर्ण प्रदेश में सभी व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर जीएसटी जांच की प्रक्रिया शुरू की गई है।

सरकार की क्या मंशा है। इस जांच का क्या उद्देश्य है। इससे भलीभांति अवगत नहीं हैं। इस जांच के लिए क्या प्रक्रिया है। संबंधित क्या चाह रहे हैं। व्यापारी इससे भी अनभिज्ञ हैं। व्यापारियों की इस अनभिज्ञता का पूरा–पूरा लाभ संबंधित जांच अधिकारी उठा रहे हैं। जांच के नाम पर उनका शारीरिक, मानसिक, व्यावसायिक व आर्थिक उत्पीड़न कर रहे हैं। व्यापारी नेता शंभूदयाल गुप्ता ने कहा कि यदि प्रदेश सरकार इस उत्पीड़न पर अंकुश नहीं लगा पाती है तो व्यापारी समुदाय बाध्य होकर सड़कों पर उतर कर आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

उधर, व्यापार मंडल के अध्यक्ष शंभू दयाल गुप्त के नेतृत्व में व्यापारी प्रतिष्ठान बंद कर जीएसटी के विरोध में प्रदर्शन करते हुए तहसील पहुंचे, जहां एसडीएम को पत्रक सौंपा। प्रदर्शन करने वालों में सतीश चंद्र जायसवाल, लक्ष्मण गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, संदीप मद्धेशिया, विनोद ठठेरा, अरुण गुप्ता, राजदीप गुप्ता, सोनू वर्मा, दिव्य प्रकाश समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे। वहीं, उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुधाकर गुप्त ने डीएम को ज्ञापन देकर उत्पीड़न बंद करने की मांग की है।

उधर, नगर पंचायत के वार्ड नंबर तीन भठवा धर्मपुर निवासी बलराम प्रसाद के घर शादी है। उन्होंने बताया कि ...सुबह वह किराना का सामान लेने के लिए बाजार में गए थे, लेकिन दुकानें बंद होने के चलते सामान नहीं मिला। ब्लॉक के नवलपुर गांव निवासी जेपी जायसवाल के घर लड़की की पुजाई का कार्यक्रम रखा गया है। इसके लिए वह सुबह बाजार में सामान खरीदने गए थे लेकिन दुकानें बंद होने के चलते उन्हें सामान नहीं मिला। बीघा गांव निवासी राजीव कुमार मौर्या के घर लड़की की शादी है। वह बाजार में सामान के लिए आए थे दुकानें बंद थीं, जिसके चलते उन्हें सामान नहीं मिला, वह निराश होकर घर लौट गए।

साढ़े चार लाख के मैट बढ़ा रहे स्टोर की शोभा

देवरिया। रवींद्र किशोर शाही स्पोर्ट्स स्टेडियम में कबड्डी खेल व खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए जिम्मेदारों की ओर से कोई पहल नहीं की जा रही है। मैट उपलब्ध होने के बावजूद प्रशिक्षक की तैनाती नहीं होने से यहां के खिलाड़ियों को अन्य बाहरी जगहों का रुख करना पड़ता है।

एक साल पूर्व करीब साढ़े चार लाख रुपये में 256 सेट के मैट खरीदकर खेल निदेशालय ने उपलब्ध कराए गए थे। मैट को पिछले एक साल से स्टोर रूम में रखा गया है। मैट मिलने के बाद उम्मीद जगी थी कि इस खेल व खिलाड़ियों का भला होगा और वे स्टेट प्रतियोगिताओं में जिले का मान बढ़ाएंगे। साथ ही उन्हें मिट्टी पर नहीं मैट पर खेलने का पूरा अभ्यास मिलेगा और चोट लगने की आशंका भी कम होगी। लेकिन प्रशिक्षक की तैनाती नहीं किए जाने से यह मैट खिलाड़ियों के किसी काम नहीं आ रहा है।

कबड्डी की प्रतियोगिताएं या चौंपियनशिप भी मैट पर हो रहीं हैं। आईपीएल की तर्ज पर शुरू हुए प्रो कबड्डी लीग में मैट पर खेलकर ग्रामीण क्षेत्रों से गए खिलाड़ियों ने अलग पहचान बनाई है। कई ने रेलवे सहित अन्य सरकारी विभागों में खेल की बदौलत ही नौकरी हासिल कर क्षेत्र का मान–सम्मान बढ़ा रहे हैं। स्पोर्ट्स स्टेडियम में मैट की सुविधा होने के बावजूद प्रशिक्षक की कमी सबको खलती है। बिना प्रशिक्षक के ही अभ्यास करने वाले अंशू, बेबी, विकास, रूपेश आदि कहते हैं कि कबड्डी के प्रशिक्षक के नहीं होने पर उन्हें खो–खो में प्रशिक्षण लेना पड़ रहा है।

कबड्डी में कॅरियर के लिए खिलाड़ियों को मिलनीं चाहिए आधुनिक सुविधाएं

क्षेत्रीय क्रीड़ांगन गोरखपुर की कबड्डी प्रशिक्षक रह चुकीं विजयलक्ष्मी सिंह बताती हैं कि कबड्डी प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षक का होना तो सर्वाधिक जरुरूरी है। इसके अलावा मैट, मैट का टेप, हाल, ड्रिल के कोन, मैट शूज उपलब्ध हों तो इससे खिलाड़ी का प्रदर्शन सुधरेगा। इसके बिना कोई भी खिलाड़ी बेहतर नहीं बन सकता। आधुनिक समय में कबड्डी की सारी छोटी बड़ी प्रतियोगिताएं मैट पर हो रहीं हैं। प्रो कबड्डी लीग ने तो मंडल के खिलाड़ियों का आकर्षण भी इस खेल में बढ़ाया है।

चोरी की आठ बाइकों के साथ तीन गिरफ्तार

महराजगंज। कोतवाली क्षेत्र के गबडुआ नहर के पास पुलिस ने . चोरी की आठ बाइकें बरामद कीं। मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास के दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक आतिश कुमार सिंह ने बताया कि कोतवाली पुलिस, एसओजी व स्वाट टीम उद्योग चौराहा पर जांच में जुटी थी। इस बीच बाइक चोरी करने वालों के बारे में सूचना मिली। हरकत में आई पुलिस ने गबडुआ नहर पुल के पास से आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी शिवा दूबे निवासी बरगदवा माधोपुर थाना घुघुली, जितेंद्र गिरी निवासी लखिमा थरूआ थाना कोतवाली एवं अमन मिश्रा निवासी बरवा चमइनिया, थाना घुघुली को गिरफ्तार कर चालान कर दिया। कुल आठ बाइकें बरामद की गई हैं। पूछताछ के आरोपियों ने बताया कि गिरोह का मास्टरमाइंड शिवा है।

विद्यालय में लगे ठुमके, प्रधानाध्यापक निलंबित

महराजगंज। लक्ष्मीपुर ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय सोंधी में अश्लील गाने पर नर्तकियों के नृत्य का वीडियो वायरल होने के मामले में बीएसए ने प्रधानाध्यापक लालचंद गुप्ता को निलंबित कर दिया। उन्हें पूर्व माध्यमिक विद्यालय पिपरा सोहट से संबद्ध कर दिया गया है। मामले की जांच बीएसए आशीष कुमार सिंह ने स्वयं की। पूछताछ में प्रधानाध्यापक ने लापरवाही की बात स्वीकार की। विद्यालय में छह दिसंबर को अश्लील गाने पर नृत्य हुआ था। इसका वीडियो सात दिसंबर को वायरल हुआ था। जानकारी के मुताबिक, गांव में आई बरात विद्यालय में ठहरी थी। इसमें नर्तकियों ने अश्लील गाने पर नृत्य प्रस्तुत किया। किसी ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया था। मामला संज्ञान में आने पर बीएसए विद्यालय पहुंचे और जांच के बाद प्रधानाध्यापक को निलंबित कर दिया।

अधिक उम्र का दूल्हा देख दुल्हन ने किया शादी से इन्कार

मुजुरी (महराजगंज)। पनियरा थाना क्षेत्र के एक गांव में .रात दुल्हन के शादी से इन्कार करने पर बरात लौट गई। जयमाल के दौरान दुल्हन ने स्टेज पर दूल्हे का मुंह देख लिया। जिससे उसने शादी से मना कर दिया। सुबह पुलिस चौकी में समझौता होने के बाद मामला शांत हुआ। जानकारी के अनुसार, पनियरा थाना क्षेत्र के एक गांव में बरात आई थी। भोजन के बाद जयमाल की रस्म शुरू हुई। दुल्हन की नजर दूल्हे के चेहरे पर पड़ी तो वह नाराज हो गई और दूल्हे के गले में वरमाला डाले बगैर घर के अंदर चली गई। पूछने पर उसने दूल्हे के अधिक उम्र के होने की वजह से शादी नहीं करने की बात कही। दुल्हन ने पहले दूल्हे को नहीं देखा था। उसने मोबाइल से वीडियो कॉल कर दूल्हे को दिखाने की बात की थी, लेकिन इससे भी इन्कार कर दिया गया था। दुल्हन के शादी से इन्कार करने की जानकारी मिलते ही बरातियों में खलबली मच गई। गांव के लोगों ने समझाने की कोशिश की, लेकिन दुल्हन तैयार नहीं हुई। .रात में पुलिस को जानकारी हुई तो वर पक्ष से कुछ लोगों को पुलिस चौकी बुलाया गया। . सुबह दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ। शादी में लगे खर्च को वर पक्ष ने देने की बात कही, इसके बाद सहमति बनी। चौकी प्रभारी मुजुरी नीरज यादव ने बताया कि दोनो पक्षों में समझौता हो गया है।

पूर्व चेयरमैन नायला खान के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नौतनवां। वित्तीय वर्ष 2014–15 में नगर पालिका परिषद के सिद्धार्थनगर वार्ड में बिना काम कराए ही धन का निकासी कर लेने के आरोप में न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने पूर्व चेयरमैन नायला खान के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। नौतनवां नगर पालिका के वार्ड नंबर 12 सिद्धार्थ नगर निवासी अजय कुमार दुबे ने करीब एक माह पहले न्यायालय सिविल जज अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट महराजगंज के पास एक वाद दाखिल कर आरोप लगाया था। वर्ष 2014–15 में नगर विकास योजना के अंतर्गत आए धन को तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष नायला खान निवासी वार्ड नंबर 23 लोहिया नगर ने नगर पालिका परिषद नौतनवां में अपने ही मददगार की मदद से बिना कार्य कराए ही धन निकालकर व्यक्तिगत उपयोग में खर्च कर लिया तथा आज तक नाली निर्माण कार्य नहीं किया गया। प्रतिवादी को जानकारी होने पर वादी के परिवार को हत्या की धमकी दी गई थी।

व्यापारियों ने जीएसटी को लेकर अधिकारी को सौंपा 4 सूत्रीय ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

नौतनवां। उप्र उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के युवा जिला अध्यक्ष संतोष अग्रहरी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को संबोधित 4 सूत्रीय ज्ञापन जीएसटी अधिकारी डिप्टी कमिश्नर आर पी चौरसिया को सौंपा गया ज्ञापन में बताया गया कि जीएसटी पंजीकरण व्यापारियों की जांच से पहले नोटिस भेजा जाए नियमों के अनुसार 4000000 रुपए से कम व्यापार करने वाले व्यापारियों को राहत दी जाए छोटे व मझले व्यापारियों का लेखा–जोखा ना लिया जाए बताया गया कि ऐसी स्थिति में तत्काल छापेमारी को बंद नहीं की गई तो व्यापारी अपनी अपनी दुकानें बंद कर सड़क पर उतरने को मजबूर हो जाएंगे इसकी जिम्मेदारी शासन व प्रशासन की होगी। प्रांतीय संयुक्त महामंत्री सीताराम अग्रहरी ने डिप्टी कमिश्नर आर पी चौरसिया से व्यापारियों के समस्या से अवगत कराया जिसमें उन्होंने कहा कि छोटे और मझले तबके के व्यापारी अपनी दुकान का लेखा–जोखा नहीं दे पाएंगे क्योंकि उनको स्टॉक मेंटेन करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी व्यापारी अपनी दुकानें खोलें किसी डर की वजह से दुकान बंद ना करें जीएसटी विभाग की टीम इनपुट के आधार पर काम कर रही है, जिसका लिस्ट है उसी के यहां अधिकारी जा रहे हैं। मेरा अनुरोध है सभी व्यापारी अपनी दुकान खोलें अगर किसी के यहां कोई अधिकारी आता है तो उससे जांच में कॉर्पोरेट करें और व्यापार मंडल को अवगत कराएं हमारे व्यापार मंडल की पूरी टीम उस दुकान पर पहुंच जाएगी और हर संभव बातचीत करके उसकी मदद की जाएगी। जिसमें अनिल श्रीवास्तव, मनोज तिबड़ेवाल, मनोज गुप्ता, इंजीनियर रमेश चंद्र गुप्ता, सुशील, संत, गणेश, दिनेश, मनोज, गोपाल और तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

मानव अधिकारों की जागरूकता के लिए प्रचार प्रसार आवश्यक: रमाकांत पांडेय

गोरखपुर। आज दिनांक 10 दिसंबर 2022 दिन शनिवार को विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर तीसरी आंख ह्यूमन राइट्स ऑर्गेनाइजेशन द्वारा जिला अधिवक्ता बार एसोसिएशन गोरखपुर के सभागार में मानवाधिकारों की वर्तमान स्थिति व समाधान विषयक गोष्ठी आयोजन किया गया। उक्त आयोजित गोष्ठी में मुख्य अतिथि जिला अधिवक्ता बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष रत्नेश्वर शुक्ला एडवोकेट ने कहा कि मानव अधिकारों के प्रति सरकारों की सत्य निष्ठा संदिग्ध है, जिसके परिणाम स्वरूप मानवाधिकारों की जागरूकता धरातल पर नगण्य है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अखिल प्रताप सिंह ने कहा कि आम जनता मानवाधिकार जागरूकता के अभाव में व्यवस्था के पोशाकों के कोप भाजन का शिकार है। इसके निदान के लिए संवैधानिक व मानवाधिकारों की जानकारी आवश्यक है इसके लिए आमजन को मानवाधिकार संगठन में रुचि लेनी होगी। उपरोक्त के क्रम में संगठन के

संस्थापक अध्यक्षध्महासचिव ने देश में बढ़ती मानवाधिकार हनन की घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकारें मानवाधिकारों के संरक्षण संवर्धन के अंतरराष्ट्रीय वचनबद्धता से विमुख है। जिसके कारण मानवाधिकार आयोग व उत्तर प्रदेश लोकायुक्त शक्ति साधनहीन है, और मानवाधिकार न्यायालय दाण्डिक प्रावधानों से वंचित है, जो मानव अधिकारों के संरक्षण संवर्धन की दिशा में सरकारों की कथित कार्यशैली की वास्तविकता को उजागर करती है, जो गंभीर चिंतन का विषय है। प्रदेश अध्यक्ष रमाकांत पांडे उर्फ राजू ने कहा कि मानव अधिकारों का हनन व भ्रष्टाचार सभ्य समाज के लिए कलंक है जिसे किसी भी कीमत पर संगठन बर्दाश्त नहीं करेगा और मानवाधिकारों की जागरूकता के लिए संगठन सतत प्रयासरत रहेगा। वह दिन दूर नहीं है मानवाधिकार हननकारियों को संगठन सबक सिखाएगा। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ.जेपी नायक संरक्षक ने कहा कि बेशर्म व्यवस्था के पोषक अगर अपनी हरकतों से बाज नहीं आएंगे तो संगठन उन्हें सबक सिखाने से गुरेज नहीं करेगा विश्व मानवाधिकार दिवस पर संगठन के कार्यकर्ता इस बात का संकल्प लेते हैं कि भ्रष्टाचार एवं मानवाधिकार हनन में लिप्त भ्रष्टाचारियों को उनके अंजाम तक पहुंचाने में कोई कोताही नही करेगा, बेहतर होगा कि समय से पहले व्यवस्था के पोषक अपनी हरकतों से बाज आएं अन्यथा जेल के सलाखों में जाने को तैयार रहें। संगठन के कार्यकर्ता वैधानिक रूप से जागरूक एवं शक्तिशाली हो चुके हैं जो आने वाले दिनों में अपने कार्य शैली से साबित करेंगे। उपरोक्त कार्यक्रम का संचालन सत्यप्रकाश पांडे ने किया और कार्यक्रम के अंत में संगठन के संस्थापक अध्यक्षध्महासचिव ने कार्यक्रम के सफल संचालनकर्ता को माल्यार्पण कर, बधाई दिया अंत में संगठन के कुशीनगर, संत कबीर नगर, महराजगंज, गोरखपुर के उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर संयुक्त रूप से संकल्प लिया के निर्धन निर्बल एवं समाज के उपेक्षित जन सामान्य को उनको मानवाधिकारों से जागरूक व संरक्षित करने के लिए सतत प्रयासरत रहेगा। कार्यक्रम में कुशीनगर जनपद से जिला अध्यक्ष पवन कुमार गुप्ता, महराजगंज जिला अध्यक्ष जाकिर अली, संत कबीर नगर जिला अध्यक्ष साहेब राम साहनी, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी चंद्र प्रकाश मणि, ई.आरके श्रीवास्तव, राम चंद्र दुबे, संतोष गुप्ता, शशि कांत माथुर, वीरेंद्र शर्मा, मोहन कुमार,अख्तर अली, श्री राम शाही,राजेश गुप्ता,उदय प्रताप चौहान,रणजीत कुमार गुप्ता, शमशेर जमा खान आदि सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

सूचना

मैं मुबारक आलम पुत्र अब्दुल मोइद,साकिन बर्डपुर नं.11 टो0,चुनमुनवा थाना व जनपद सि0नगर,उ0प्र0 का निवासी हूं मैं यह शपथ पत्र देता हूं कि मेरा लड़का रियासत अली पुत्र मुबारक आलम मेरा कहा नहीं मानता है अक्सर गायब रहता है रियासत अली का क्रियाकलाप समाज विरोधी है जो आये दिन आपराधिक वाले व्यक्तियों के गतिविधियों के संगत में रहता है मेरा व मेरे परिवार वाले सदस्यों का एक भी बात नहीं मानता है जिस कारण बिना किसी जब्र व दबाव के अपने लड़के रियासत अली को सम्पूर्ण चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। इसके द्वारा किए गए कार्य के लिए वह स्वयं उत्तरदाई होगा, मेरा व मेरे परिवार का उसके किसी भी कार्य से कोई लेना–देना नहीं होगा,भविष्य में यदि कोई भी व्यक्ति रियासत अली से कोई लेन–देन कर्ता है या कोई भी मुकदमा या कानुनी कार्यवाही होती तो वह स्वयं का जिम्मेदार होगा।

प्रार्थी

मुबारक आलम पुत्र अब्दुल मोइद
साकिन बर्डपुर नं.11 टोला चुनमुनवा
थाना व जनपद सि0नगर,उ0प्र0।

दिनांक–01.12.2022

इंटर कॉलेज में हुआ चौथे दिन भी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। विद्यालय राम भीख

राजरानी शिक्षण संस्थान इंटर कॉलेज मलूकपुर गदिया बाराबंकी में वार्षिक उत्सव के उपलक्ष में चल रही क्षेत्रीय विद्यालय स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत चौथे व आखरी दिन भी कई खेलों के फाइनल मैचों का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमे जूनियर बालिका वर्ग तथा बालिका सीनियर वर्ग कक्षा 6 से कक्षा आठ एवं कक्षा 9 से कक्षा 12 की छात्राओं ने सहभागिता की व रंगोली प्रतियोगिता में क्षेत्र के कई विद्यालयों की भी सहभागिता रही। वही रंगोली प्रतियोगिता बालिका सीनियर वर्ग में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज देवा बाराबंकी का प्रथम स्थान रहा व रामभीख राजरानी शिक्षण संस्थान के द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका जूनियर वर्ग में आर आर एस एस इंटर कॉलेज के प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग खो–खो प्रतियोगिता का फाइनल मैच खेला गया। जिसका शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक हनोमान प्रसाद एवं प्रधानाचार्य अमित श्रीवास्तव ने किया। इस मैच को आर आर एस एस इंटर कॉलेज ने 25–12 के अंतर जीता। छोटे बच्चों की दौड़ प्रतियोगिता का फाइनल मैच का भी आयोजन किया गया। कक्षा एक से कक्षा 5 तक बालक वर्ग में प्रथम अनुभव पटेल, द्वितीय कृष्णा, तृतीय शेखर राज एवंबालिका वर्ग में प्रथम अनीशा द्वितीय लक्ष्मी व तृतीय माही रही। वहीं बालक वर्ग में कक्षा 6 से कक्षा आठ तक में दिव्यांश ने प्रथम स्थान आदर्श ने द्वितीय स्थान तथा अर्पित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस चार दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन करते हुए विद्यालय के प्रबंधक हनोमान प्रसाद एवं संचालक वीर बहादुर ने सभी खिलाड़ियों को धन्यवाद किया। भविष्य में कभी भी किसी विद्यालय को खेल से संबंधित किसी भी सहभागिता के लिए अपना पूर्ण सहयोग देने का वादा भी किया। प्रधानाचार्य अमित श्रीवास्तव ने सभी टीमों के खिलाड़ियों का धन्यवाद दिया तथा सभी विद्यालयों का भी साथ देने एवं सहयोग प्रदान करने के लिए व्यक्त किया समस्त खेल के शिक्षकों का भी आभार व्यक्त किया। और सभी विद्यालयों के बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इन समस्त खेल प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण 12 दिसंबर को वार्षिक उत्सव में किया जाएगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकता मिला महिला का शव

दैनिक बुद्ध का संदेश

सतरिख/बाराबंकी। थाना क्षेत्र के अंतर्गत शनिवार की बीती रात एक विवाहिता ने घर के अंदर फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम को भेजा। सतरिख थाना क्षेत्र के अंतर्गत नारायन पुरवा गांव में शनिवार की बीती देर रात सतीश यादव की पत्नी ज्योति 30 वर्षीय ने घर के अंदर साड़ी के फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। मृतका के दो बच्चे हैं परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इस संबंध में थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया आत्महत्या का प्रतीत होता है तो पीएम के लिए भेजा गया। किसी भी पक्ष की तरफ से कोई आरोप नहीं है।

कुर्मी समाज की बैठक में नरेंद्र वर्मा को चेयरमैन बनाने का लिया निर्णय

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। कुर्मी स्वाभिमान महासंघ की बाराबंकी इकाई की

बैठक गोंडा तिराहा फत्ते मिल के निकट हुई जिसमें कुर्मी समाज बाराबंकी के अधिकान्स लोग उपस्थित होकर एक मत हुए, और यह भी निर्णय लिया कि सर्व समाज के साथ साथ कुर्मी समाज का विकास करने वाला अगर कोई है तो वो नरेंद्र वर्मा है। इनके अलावा कई लोगों को जनता देख चुकी है लेकिन इस बार नरेंद्र वर्मा को ही भारी मतों से जिताना है चाहे कोई अन्य कुर्मी समाज से क्यों न लड़ रहा हो। इस बैठक में इंजीनियर एस पी वर्मा, जिला पंचायत सदस्य वासुदेव वर्मा, सहदेव वर्मा, भूकान्त वर्मा, अरुण वर्मा, वीरेंद्र वर्मा, ललित वर्मा अर्जुन वर्मा, कमलेश चंद्र शर्मा, मो अब्बास, मो खघलिक, शहफान अहमद, तारिक खान, वैभव द्विवेदी, ज्ञान प्रकाश वर्मा, आशुतोष यादव, राहुल कुमार, रमेश कुमार, इन्द्रशे वर्मा, राजकुमार वर्मा, मोहन कुमार सिंह, शुभम मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे। इसके बाद नरेंद्र वर्मा ने पैसार, महुआरी पुरवा, मकदूमपुर दशहराबाग छेत्र में जनसंपर्क कर जनता से वोट सपोर्ट मांग कर जिताने के लिये निवेदन किया।

गोला थाने पर सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ सम्पन्न

कुल आये 9 मामलों में निस्तारण रहा जीरो

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला बाजार/गोरखपुर। गोला थाना परिसर में शनिवार को

थानाध्यक्ष अश्वनी तिवारी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन सम्पन्न हुआ। राजस्व के तरफ से राजस्व निरीक्षक रमाशंकर सिंह अपने लेखपालों के साथ उपस्थित रहे। पीड़ितों की संख्या भी बहुत कम रही। उसके बाद भी राजस्व से सम्बंधित मामले आये। लेकिन राजस्व बिभाग के सक्षम अधिकारी उपस्थित न होने के कारण समाधान काफी दूर रहा। समाधान दिवस पर कुल 9 मामले आये लेकिन निस्तारण शून्य रहा। इस अवसर पर अवधेश लाल अजय पाठक नरसिंह प्रसाद लक्ष्मी कांत सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

काठदेवरी व मड़िहान की टीम हुई विजई

चन्द्र शेखर पाण्डेय ने विजई टीम को किया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

घोरावल/सोनभद्र। स्वर्गीय जमवंती पाण्डेय स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता महुआंव पाण्डेय में शनिवार को पहला मुकाबला भगाही और काठदेवरी के बीच खेला गया, जिसमे पहले बल्लेबाजी करते हुए काठदेवरी की टीम ने निर्धारित 8 ओवरों मे 69 रन बनाया। और भगाही को 70 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में भगाही की टीम मात्र 63 रन ही बना पायी इस प्रकार काठदेवरी की टीम ने यह मुकाबला 6 रनो से जीत लिया। इस मैच के मैन ऑफ द मैच अविनाश रहे जिन्होंने 12 रन बनाकर 2 विकेट लिया। प्रतियोगिता का दूसरा मुकाबला मड़िहान और तिलौली के बीच खेला गया। जिसमे मड़िहान ने टॉस जीतकर तिलौली को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए तिलौली ने 59 रन बनाये और 60 रन का लक्ष्य दिया। जवाब मे बैटिंग करती हुई मड़िहान की टीम ने 7 ओवर 1 गेंद से मैच जीतने मे सफल हुए। मैच के मैन ऑफ द मैच अक्षय कुमार रहे जिन्होंने 20 रन बनाये। इस अवसर पर प्रतियोगिता के अध्यक्ष चंद्रशेखर पाण्डेय,बागेश्वरी धर द्विवेदी संरक्षक सुरेश धर द्विवेदी, नारायण धर द्विवेदी, गोविंद धर द्विवेदी, प्रेमनाथ त्रिपाठी, जगदीश शर्मा आदि गाँव के सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे।

समाधान दिवस पर अपर पुलिस अधीक्षक ने सुना समस्या

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। थाना समाधान दिवस के अवसर पर अपर पुलिस अध

ीक्षक (मुख्यालय) कालू सिंह द्वारा कोतवाली रॉबर्ट्सगंज पर तथा क्षेत्राधिकारी सदर डॉ0 चारू द्विवेदी द्वारा थाना पन्नूगंज पर आयोजित थाना समाधान दिवस पर जन शिकायतों को सुना गया तथा शिकायतों के तत्काल निष्पक्ष व न्यायोचित निस्तारण हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा–निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त जनपद के समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अपने–अपने थानों पर थाना समाधान दिवस आयोजित कर जनता की समस्याओं को सुना गया तथा प्राप्त प्रार्थना पत्रों की जांच करते हुए उनका त्वरित व विधि ाक निस्तारण किया गया।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

क्षेत्र में मादक पदार्थ बेचने वाले एवं उपद्रवी तत्वों का खैर नहीं: प्रदीप सिंह चंदेल

अनपरा थाने का किया मुआयना कर दिशा निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

अनपरा/सोनभद्र। क्षेत्राधिकारी प्रदीप सिंह चंदेल ने अनपरा

थाना का अर्धवार्षिक निरीक्षण कर भैया एसपी सिंह को दिया दिशा निर्देश क्षेत्राधिकारी पिपरी प्रदीप सिंह चंदेल ने अनपरा थाने का किया मुआयना। अनपरा थाने पहुचकर उन्होने शस्त्रागार व अभिलेखों का विधिवत निरीक्षण किया। उन्होंने एक एक शास्त्रों की बारीकी से जाँच किया। अभिलेखों का अवलोकन करने के बाद शस्त्र का मिलान कराया। उन्होंने बैरक की साफ सफाई, मेस में साफ सफाई व चबूतरे की मरम्मत, शास्त्रो का भौतिक सत्यापन करते हुए संतोष जताते हुए अनपरा एसएचओ भैया एसपी सिंह को आवश्यक दिशा निर्देश दिया के प्रत्येक आरक्षी को शास्त्रो का ज्ञान होना चाहिए। साथ ही साथ सीसीटीएनएस का भी जायजा लेते हुए महिलाओ पर होने वाले अपराधो पर विशेष सतर्कता बरतने को कहा। साथ ही नशे के खिलाफ नकेल कसने के लिए निर्देश दिए। वहां मौजूद कांस्टेबलों से उन्होंने हथियारो के बारे विस्तृत जानकारी लिया। इस अवसर पर अनपरा एसएचओ भैया एसपी सिंह, रेनुसागर चौकी इंचार्ज चंद्रभान सिंह, अनपरा अपराध शाखा निरीक्षक अंजनी राय, एसआइ संतोष सिंह सहित तमाम पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

उत्पादों के प्रचार प्रसार के लिये हुआ रोड शो का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। इंडियन बैंक के मंडलीय प्रमुख कमलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में डिपॉजिट मोबिलाइजेशन तथा बैंक के विभिन्न उत्पादों के प्रचार प्रसार के लिए रोड शो का आयोजन किया गया। रोड शो इंडियन बैंक रावर्ट्सगंज मुख्य शाखा से धर्मशाला, शीतला मंदिर, महिला थाना, कचहरी होते हुए पूरे शहर में किया गया एवं लोगों से मिलकर बैंक के उत्पाद एवं बैंक से जुड़ने हेतु अनुरोध ा किया गया। रोड शो मैं अग्रणी जिला प्रबंधक अरुण कुमार पांडेय, इंडियन बैंक रावटसगंज शाखा के मुख्य प्रबंधक रितेश कुमार, आरएनजीआर के मुख्य प्रबंधक मृत्युंजय विवेक, मंडलीय कार्यालय के मुख्य प्रबंधक रंजीत कुमार तथा जनपद सोनभद्र के विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रबंधक अधिकारी एवं कर्मचारियों ने रोड शो में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।
राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

सर्दियों में मांसपेशियों की ऐंठन और जोड़ों के दर्द को दूर करने के उपाय

फ्लू से लेकर त्वचा के रूखेपन तक, शीतलहर का मौसम हर साल कई तरह की बीमारियों को साथ लेकर आता है और इनमें से सबसे खराब अचानक से होने वाली मांसपेशियों में ऐंठन और जोड़ों का दर्द है। अमूमन लोग इनसे राहत पाने के लिए दर्द निवारक दवाएं लेते हैं, लेकिन उनका स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आइए आज कुछ ऐसे उपाय जानते हैं, जिन्हें अपनाकर सर्दियों में मांसपेशियों की ऐंठन और जोड़ों का दर्द दूर हो सकता है।

रोजाना कुछ मिनट धूप में बैठें

सर्दियों में कुछ मिनट धूप में बैठने से कई तरह के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े फायदे मिल सकते हैं। खासकर, अगर आप ठंड के मौसम में जोड़ो के दर्द और मांसपेशियों की ऐंठन से सुरक्षित रहना चाहते हैं तो रोजाना 15 मिनट तक धूप में रहें। धूप शरीर से विटामिन–डी की कमी को दूर करके कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद करता है। कैल्शियम जोड़ो का दर्द और मांसपेशियों की ऐंठन से बचाए रखने में सहायक है।

पानी के सेवन पर दें ध्यानः सर्दियों के दौरान कई लोग पानी का सेवन करना कम कर देते हैं, लेकिन इसकी कमी शरीर को कई समस्याओं से घेर सकती है। रोजाना 8–10 गिलास पानी का सेवन करने का नियम बना लें क्योंकि इससे न सिर्फ शरीर हाइड्रेट रहेगा, बल्कि मांसपेशियों की ऐंठन और जोड़ों के दर्द से भी दूरी बनी रहती है। आप चाहें तो पानी के सेवन पर नजर रखने के लिए अपने मोबाइल में वॉटर इंटेक ऐप को भी डाउनलोड कर सकते हैं।

एक्सरसाइज और योगासनों को रुटीन में करें शामिलः विशेषज्ञों के मुताबिक, जोड़ो के दर्द और मांसपेशियों की ऐंठन से बचे रहने के लिए वजन को नियंत्रण में रखना बहुत जरूरी है। अतिरिक्त वजन के कारण जोड़ों और मांसपेशियों पर अधिक दबाव पड़ता है, जिसके कारण दर्द की स्थिति उत्पन्न होती है। इन समस्याओं से सुरक्षित रहने के लिए रोजाना कुछ मिनट सरल एक्सरसाइज और योगासनों का अभ्यास करना सुनिश्चित करें। अगर बाहर बहुत ठंड है तो इनडोर एक्सरसाइज का विकल्प चुनें।

इन फिटनेस गतिविधियों का भी किया जा सकता है अभ्यासःसर्दियों के दौरान मांसपेशियों की ऐंठन और जोड़ों के दर्द से बचने के लिए स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज करना काफी फायदेमंद हो सकती है। इसके अलावा, आप इन शारीरिक समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए साइकिलिंग, जॉगिंग, दौडना, एरोबिक्स, स्विमिंग आदि शारीरिक गतिविधियों को भी अपने रुटीन में शामिल कर सकते हैं। ये गतिविधियां घुटनों की मांसपेशियों को मजबूत करती हैं और उन्हें लचीला बनाती हैं।

अपनी जीवनशैली में करें कुछ बदलावः मांसपेशियों की ऐंठन और जोड़ों के दर्द से सुरक्षित रहने के लिए जीवनशैली में कुछ बदलाव करना फायदेमंद हो सकता है। उदाहरण के लिए, गर्म पानी से नहाने से मांसपेशियों और जोड़ों को आराम मिल सकता है। इतना ही नहीं, यह स्लिप साइकिल को सुधारने में भी सहायक है, जो मांसपेशियों के दर्द को ठीक कर सकता है और ऐंठन से भी राहत दिला सकता है। कैल्शियम युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें।

व्हाइट बॉडीकॉन में स्टनिंग पोज देती नजर आईं राशि खन्ना, बोल्डनेस देखकर फैंस हुए मदहोश

साउथ एक्ट्रेस राशि खन्ना ने अपनी पहचान साउथ इंडस्ट्री में ही नहीं, बल्कि हिंदी फैंस भी उनकी खूबसूरती के कायल हैं। सोशल मीडिया पर धमाल मचाने वाली एक्ट्रेस राशि खन्ना की तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल हो जाती हैं। वहीं, फैंस को उनकी तस्वीरें काफी पसंद आती हैं। लेटेस्ट में

एक्ट्रेस राशि खन्ना ने अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं। जिन्हें देखकर फैंस आहें भर रहे हैं। साउथ एक्ट्रेस राशि खन्ना व्हाइट कलर की बॉडीकॉन आउटफिट में बेहद ही ग्लैमरस नजर आ रही हैं। डीपनेक बॉडीकॉन ड्रेस में राशि खन्ना ने कई कातिलाना पोज दिए, इस लुक में एक्ट्रेस गजब की बला लग रही हैं। लाइट मेकअप और कर्ली हेयर स्टाइल में राशि खन्ना कमाल लग रही हैं। डीपनेक आउटफिट में एक्ट्रेस राशि खन्ना अपना क्लीवेज फ्लॉन्ट कर रही हैं। राशि खन्ना ने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत साउथ इंडस्ट्री से की। लेकिन, जल्द ही वो बॉलीवुड में अपना जलवा बिखेरती नजर आएंगी। साउथ एक्ट्रेस राशि जल्द ही सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म योद्धा में नजर आएंगी। राशि की सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है, वहीं, एक्ट्रेस साउथ की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक हैं। राशि की हाल ही में साउथ स्टार धनुष के साथ रिलीज हुई फिल्म थिरुचित्रम्बलम सुपरहिट रही थी। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस राशि खन्ना की बड़ी फैन फॉलोइंग है। उनके इंस्टाग्राम पर 8.8 मिलियन फॉलोइंग है।

एनबीआर की सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में शामिल हुई आरआरआर, बढ़ी ऑस्कर जीतने की संभावना

एसएस राजामौली की ऐतिहासिक महाकाव्य फिल्म आरआरआर पूरी दुनिया में डंका बजा रही है। वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई करने के बाद अब यह फिल्म दुनियाभर के अवॉर्ड्स अपने नाम करती जा रही है। हॉलीवुड क्रिटिक्स एसोसिएशन अवॉर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ फिल्म के लिए नामांकित होने के बाद अब फिल्म को राष्ट्रीय समीक्षा बोर्ड (एनबीआर) द्वारा वर्ष की 10 सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में से एक के रूप में नामित किया गया है।

एनबीआर की टॉप–10 सूची में नामित होने के बाद आरआरआर के ऑस्कर जीतने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। दलअसल, एनबीआर न्यूयॉर्क में फिल्म जगत के जानकार लोगों का एक संगठन है। इस संगठन के 100 से अधिक सदस्य दुनियाभर में रिलीज हुई फिल्मों में से 10 सर्वश्रेष्ठ फिल्म का चयन करते हैं। कहा जाता है कि एनबीआर की टॉप–10 सूची में शामिल होने वाली फिल्मों का नाम ऑस्कर विजेताओं की सूची में जरूर शामिल होता है।

1. टॉप गनरू मेवरिक 2. आफ्टर सन 3. अवतारू द वे ऑफ वॉटर 4. द बंशी ऑफ इनिशरिन 5. एवरीथिंग एवरीवेयर ऑल एट वन्स 6. द फैबेलमैन्स 7. ग्लास ओनियनरू ए नाइफ्स आउट मिस्ट्री 8. आरआरआर 9. टिल 10. द वूमेन किंग वूमेन टॉकिंग

साल 2022 की ब्लॉकबस्टर फिल्म साबित होने के बावजूद आरआरआर को भारत की ओर से आधिकारिक रूप से ऑस्कर के लिए नहीं भेजा गया। दर्शकों की मांग और फिल्म को मिल रही सफलता को देखते हुए फिल्म निर्माताओं ने आरआरआर को स्वतंत्र रूप से ऑस्कर की दावेदारी के लिए भेजा। सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (जूनियर एनटीआर और राम चरण) समेत कुल 14 श्रेणियों के लिए फॉर योर कंसिडरेशन (एफवाईसी) कैंपेन के तहत ऑस्कर में भेजा गया है। आरआरआर ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 903.68 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। वहीं विदेशों में फिल्म ने कुल 221.32 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। तेलुगू में फिल्म ने 428.27 करोड़, हिंदी में 265.42 करोड़, तमिल में 58.48 करोड़, मलयालम में 18.41 करोड़ और कन्नड़ में 1.52 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 1,125 करोड़ रुपये तक जा पहुंचा है। फिल्म को अटलांटा फिल्म क्रिटिक्स सर्कल (एएफसीसी) द्वारा बेस्ट इंटरनेशनल पिक्चर के रूप में सम्मानित किया गया है। राजामौली को न्यूयॉर्क फिल्म क्रिटिक्स सर्कल की तरफ से सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार दिया गया। फिल्म की कास्ट और क्रू को एससीए स्पॉटलाइट अवॉर्ड का सम्मान भी मिल चुका है। आरआरआर, सैटर्न अवॉर्ड्स 2022 में बेस्ट इंटरनेशनल फिल्म का अवॉर्ड भी अपने नाम कर चुकी है। फिल्म ने हाल ही में हुए फिलाडेल्फिया फिल्म फेस्टिवल में नैरेटिव ऑडियंस अवार्ड भी जीता था। राजामौली ने शिकागो में फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग के दौरान आरआरआर के दूसरे पार्ट की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि उनके पिता केवी विजयेंद्र प्रसाद दूसरे पार्ट की कहानी पर काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, मेरे पिता, मेरी सभी फिल्मों के कहानीकार हैं। हमने फिल्म आरआरआर 2 को लेकर थोड़ी–बहुत चर्चा की है और वह इसकी कहानी पर काम कर रहे हैं। बता दें कि विजयेंद्र ने ही राजामौली की बाहुबली के दोनों पार्ट की कहानी लिखी थी।

यह एक अद्भुत वर्ष रहा हैः मृणाल ठाकुर

दुलकर सलमान के साथ श्सीता राममम्य से तेलुगू में डेब्यू करने वाली अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने कहा कि उनके लिए यह

साल काफी शानदार रहा है और यह उनके लिए हमेशा खास रहेगा। अभिनेत्री कृतज्ञता से भर जाती है। टेलीविजन से अपने करियर की शुरूआत करने वाली मृणाल ने रुपहले पर्दे पर कदम रखा है और श्धमाकाच्य, श्जर्सीच्य, श्बाटला हाउसच्य जैसी फिल्में दी हैं और वर्तमान में बहुप्रतीक्षित, श्पिप्पाच्य की प्रतीक्षा कर रही हैं। अपने साल के बारे में बताते हुए मृणाल ने कहा, मेरे लिए 2022 शानदार रहा है और यह साल मेरे लिए हमेशा खास रहने वाला है। अगले साल कुछ शानदार प्रोजेक्ट आने वाले हैं। अब मैं श्पिप्पाच्य का इंतजार कर रही हूं। जिसके साथ जुड़कर मुझे बहुत खुशी हुई है। यह मेरे लिए एक संतोषजनक वर्ष रहा है। श्पिप्पाच्य में ईशान खट्टर भी हैं और यह गरीबपुर की लड़ाई पर आधारित है जो 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध के दौरान लड़ी गई थी।

ऊनी कपड़ों की ऐसे करें देखभाल, बरकरार रहेगी चमक

सर्दियां आ चुकी हैं और ठंड से बचने के लिए आपने ऊनी कपड़े पहनना शुरू कर दिया होगा। आम या गर्मी के कपड़ों की तुलना में गरम और ऊनी कपड़ों को खास देखभाल की जरूरत होती है। ऐसा नहीं करने पर ऊनी कपड़े जल्दी खराब हो जाते हैं और उनकी चमक भी फीकी हो जाती है। आइए आज सर्दियों में ऊनी कपड़ों की अच्छे से देखभाल करने के लिए पांच आसान टिप्स जानते हैं।

हाथ से धोने की करें कोशिशः ऊन आमतौर पर गंध–प्रतिरोधी, क्रीज–प्रतिरोधी और दाग–प्रतिरोधी होती है, इसलिए ऊनी कपड़ों को कम धोना चाहिए। इसके अलावा जब भी आप इन कपड़ों को धोएं, तब इन्हें वॉशिंग मशीन की बजाय अपने हाथों से ही धोएं। इन्हें धोने के लिए विशेष रूप से सर्दियों के कपड़ों के लिए बनाए गए डिटर्जेंट का ही इस्तेमाल करें और धोने से पहले इन्हें तीन–पांच मिनट के लिए पानी में भिगो दें। याद रखें कि इन कपड़ों को ठंडे पानी से ही धोना है। ऊनी कपड़ों को लटकाकर बिल्कुल न सुखाएंः ऊन बहुत सारा पानी सोख लेती है, इसलिए ऊनी कपड़े गीले होने पर भारी हो जाते हैं। ऐसे में अगर आप इन्हें लटका कर सुखाएंगे तो कपड़ा खिंच जाएगा और यह अपना आकार भी खो देगा। इससे बचने के लिए जरूरी है कि ऊनी कपड़ों को लटका कर सुखाने की बजाय आप इन्हें समतल सतह पर सुखाने के लिए रख दें। इसके अलावा अपने सर्दियों के कपड़ों को सुखाने के लिए सीधी धूप से दूर रखें।

पूरी तरह सूखने पर प्रेस न करेंः अगर आपके गीले ऊनी कपड़े सूख जाएं तो उन्हें प्रेस बिल्कुल भी न करें। ऐसा इसलिए क्योंकि सीधे गर्मी के संपर्क में आने से कपड़ा झुलस जाता है और फिर सिलवटे खत्म नहीं हो पाती हैं। इसके लिए आप नॉर्मल प्रेस की बजाय स्टीम प्रेस का इस्तेमाल करें और याद रखें कि हमेशा कपड़ों को अंदर वाली साइड से ही प्रेस करें। इसके अलावा सर्दियों के कपड़े प्रेस करते वक्त प्रेस को हमेशा ऊन ऑप्शन पर सेट करें।

ऊनी कपड़ों को नमी से रखें दूरः सर्दियों में हमेशा गरम कपड़ों को नमी वाली जगहों से दूर रखने की कोशिश करें। कुछ लोग नहाते वक्त गरम कपड़ों को बाथरूम में ही छोड़ देते हैं, लेकिन इससे आपके ऊनी कपड़े जल्दी खराब हो सकते हैं, इसलिए हमेशा इन्हें सूखी जगह पर ही रखें। इसके अलावा अलमारी में गरम कपड़े रखने से पहले नीचे अखबार बिछा दें और कपड़ों को बैक्टीरिया फ्री रखने के लिए इनमें नीम की पत्ती रख दें। लिंट रिमूवर ब्रश का करें इस्तेमालः सर्दियों में ऊनी कपड़ों और कोट को अच्छी स्थिति में रखने के लिए उनकी सही देखभाल करना बहुत जरूरी है, लेकिन कई बार इन कपड़ों में रोएं आ जाते हैं और धूल जम जाती है। इसके लिए आप लिंट रिमूवर ब्रश का इस्तेमाल करें। किसी भी ऊनी कपड़े या कोट को पहनने से पहले और बाद में उसे लिंट रिमूवर ब्रश से साफ करें ताकि उसकी चमक बनी रहें और वह नया दिखे।